डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 136 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 01 मार्च 2025 | मूल्य 2 रुपया

अफीम तस्करों को चार-चार साल की सजा, जुर्माना भी लगाया

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट) मंदसौर द्वारा बलराम बावरी पिता तुलसीराम बावरी उम्र-51 वर्ष एवं कैलाश पिता मुन्नालाल उम्र-35 वर्ष

दोनों निवासी ग्राम कोटरी होरी हनुमान थाना अरनोद जिला प्रतापगढ़ राजस्थान को अफीम तस्करी करने के अपराध में दोषी पाते हुए 04-04 वर्ष के कठोर कारावास एवं 25-25 हजार रूपये जुर्माने से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा यह जानकारी दी गई। उन्होंने घटना के संबंध में बताया कि 11 अप्रैल 2017 को थाना पिपलियामंडी में पदस्थ सउनि रामबाबु यादव को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई। जिस पर कार्यवाही करते हुए पिपलियामंडी ब्रिज के नीचे नगरपालिका के कुए के पास अभियुक्त बलराम पिता तुलसीराम बावरी व कैलाश पिता मुन्नालाल बावरी के आधिपत्य वाली मोटरसायकल आरजे 35 एमसी 0993 को रोककर तलाशी ली गई। उनकी बाईक के साईड बेग से एक किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम मिली, जिसकी विधिवत कार्यवाही कर अभियुक्त से मिले अवैध मादक पदार्थ अफीम मय मोटर सायकल के जप्त कर अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया। थाना पिपलिया मंडी पर अपराध धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध किया गया।

विवेचना दौरान आवश्यक अनुसंधान पश्चात एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त कर अभियुक्त बलराम व कैलाश के विरूद्ध धारा 8/18 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यों एवं तर्कों से सहमत होकर न्यायालय द्वारा आरोपीगण को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन विशेष लोक अभियोजक श्री दीपक जमरा द्वारा किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

गरोठ, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने शुक्रवार को नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी कमलेश मेघवाल को पुलिस ने उसके गांव से पकड़ा है। घटना 26 फरवरी को गरोठ थाना क्षेत्र के कोटड़ा बुजुर्ग गांव में हुई है। पुलिस ने आरोपी को मेडिकल जांच के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जैल भेज दिया गया।

गांधी सागर: तेंदुओं का कूनबा भी बढ़ रहा

भोजन-पानी की तलाश में आबादी क्षेत्रों तक पहुंच रहे, विस्थापन के बाद भी गांधीसागर में है कुछ तेंदुए

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विगत दिनों किटियानी में तेंदुए ने दस्तक दी। इसके बाद लालघाटी क्षेत्र सहित अन्य जगहों पर भी तेंदुए की लोकेशन के बारे में पता चला। हालांकि तेंदुआ पकड़ में नहीं आया। माना जा रहा है कि वह जंगल की और लौट चुका है। लेकिन, यह पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी जिले में रिहायशी और आबादी वाले क्षेत्रों में तेंदुए ने आमद देकर दहशत फैलाई है। इसका कारण है कि गांधी सागर में जहां अन्य जानवरों, जलीय जीवों और पक्षियों का कुनबा बढ़ा है। उसी तरह से तेंदुओं की संख्या भी बढ़ गई है।

गांधीसागर अभयारण्य समेत जिले के वन क्षेत्र में तेंदुओं का कुनबा 100 के पार पहुंच चुका है। बीते 04 साल में इनकी संख्या में करीबन 15 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। हालांकि चिंताजनक बात ये है कि भोजन-पानी की तलाश इन्हें शहरी आबादी या गांव की तरफ खींचकर ला रही है। किटियानी में कुछ दिनों पहले तेंदुए ने दस्तक दी थी। मंदसौर में ही 02 साल में तेंदुए की एंट्री का ये दूसरा मामला था। यशनगर के बाद अब किटियानी व नाहर सैयद रोड तक फुटेज में तेंदुए का मूवमेंट देखा गया। जो शिकार भी कर गया। हालांकि इंसान पर हमले जैसे हालात नहीं बने। खास बात यह है कि जिले में अधिकतर तेंदुए गांधीसागर क्षेत्र में ही हैं। ऐसे में रिहायशी इलाके तक इनकी पहुंच नहीं है। वहीं जिले से लगी राजस्थान सीमा के प्रतापगढ़ वन क्षेत्र में तेंदुओं की संख्या 08 बताई जा रही है जो आसपास के इलाकों में घूमते हैं। इसके साथ ही सीतामाता अभयारण्य में भी तेंदुओ की संख्या करीब 40 बताई गई है।

प्रतापगढ़ वन क्षेत्र में 08, सीतामाता अभयारण्य में 40 तेंदुए...

मंदसौर जिले से 8 किमी दूर राजस्थान सीमा प्रारंभ होती है। 27 किमी दूर प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय है। खास बात यह है कि प्रतापगढ़ वन क्षेत्र में वर्तमान में 08 तेंदुए हैं जबकि, वहां के प्रसिद्ध सीतामाता अभयारण्य में 06 साल पहले तेंदुओं की तादाद 40 थी। दरअसल ये इलाका मंदसौर केवन क्षेत्र देवझूंरी व रेवास-देवड़ा बीट से लगा है। यहां कई मौकों पर तेंदुओं को कुत्तों, घोड़ारोज व जंगली सूअर का शिकार करते देखा जाता है।

कुत्ते और पानी की तलाश...

बात करें मंदसौर की तो किटियानी और अन्य जगहों पर दिखे तेंदुएं ने कुत्तों को शिकार बनाया था। शहर में अनुमानित कुत्तों की संख्या दो हजार तक है। वन क्षेत्र के जंगली कुत्तों के झुंड की तुलना में तेंदुओं के लिए पालतू कुत्ते आसान शिकार होते हैं। इसके अलावा पानी की कमी दूसरी वजह है। इन दोनों की तलाश के चलते ही 02 साल में दूसरी बार तेंदुए ने मंदसौर में दस्तक दी और शिकार को भी अंजाम दे गया। दोनों ही बार उसके रात के फुटेज सामने आए।

इनका कहना...

गांधी सागर अभयारण्य को मिलाकर तेंदुओं की संख्या सौ से अधिक है। पिछले तीन चार सालों की तुलना में संख्या में बारह से पद्रह प्रतिशत संख्या बढ़ी है। विगत दिनों आए तेंदुए को पकड़ने के लिए टीम लगाई गई थी। संभवत: तेंदुआ रेवास देवड़ा की और से भटककर आया था।

संजय रायखेरे, वन मंडलाधिकारी मंदसौर

चीतों के लिए तेंदुओं की शिफ्टिंग...

जिले में इसी साल गर्मी के बाद चीतों को लाने की कवायद चल रही है। वन क्षेत्र में चीतों व तेंदुओं के बीच संघर्ष न हो इसके मद्देनजर चीतों के बाड़े से तेंदुओं को शिफ्ट करने का काम अंतिम चरण में है। अधिकारियों के मुताबिक अब तक 22 में से 19 तेंदुओं को वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा सुझाए स्थानों पर शिफ्ट कर दिया है। जहां तेंदुओं का कम घनत्व है, वहां रोटेशन व शिफ्टिंग प्रक्रिया की जा रही है। बता दें कि चीतों के भोजन के लिए 1250 में से 452 चीतल व काले हिरण गांधीसागर अभयारण्य पहुंच चुके हैं। इनका कुनबा भी बढ़ रहा है।

तस्करों पर शिकंजा कसने की रणनीति

एनसीबी और पुलिस अधिकारियों के बीच वार्तालाप

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो 'एनसीबी' और पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित विशेष बैठक में एनसीबी और पुलिस अधिकारियों ने रणनीति तैयार की। इंदौर से आए एनसीबी इंस्पेक्टर विजय राव और सब इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रजापति ने पुलिस अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी रोकने और कानूनी कार्रवाई के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

बैठक में विभिन्न प्रकार के ड्रग्स और उनके दुष्प्रभावों पर चर्चा हुई। एनसीबी अधिकारियों ने ड्रग्स सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही आधुनिक तकनीक के उपयोग से तस्करों पर कार्रवाई की योजना बनाई गई।

मंदसौर जोन के पुलिस अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए। एनसीबी अधिकारियों ने ड्रग्स रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने का सुझाव दिया। स्थानीय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही।

वाहन की टक्कर से बिजली कर्मचारी की मौत

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जीरन थाना क्षेत्र के एक सड़क हादसे में बिजली कंपनी के कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान विनोद कुमार के रूप में हुई है। वह नई आबादी हिंगोरिया थाना बघाना का निवासी था।

बताया गया है कि बुधवार शाम को विनोद अपनी ड्यूटी से घर लौट रहे थे। अरनिया गांव के चिताखेड़ा रोड पर एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें एम्बुलेंस से नीमच के बड़े अस्पताल ले जाया गया। एक दिन के इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें इंदौर रेफर कर दिया। इंदौर ले जाते समय रास्ते में ही विनोद ने दम तोड़ दिया। शव को नीमच के बड़े अस्पताल वापस लाया गया। शुक्रवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की है।

एट लेन- पुलिस कप्तान पत्थबाजी पाइंट पर पहुंचे

रतलाम, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दिल्ली-मुंबई 08 लेन एक्सप्रेसवे पर हो रही पत्थरबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए रतलाम पुलिस ने नाइट विजन ड्रोन कैमरे से निगरानी शुरू कर दी है। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात पुलिस कप्तान श्री अमित कुमार खुद अधिकारियों के साथ एक्सप्रेसवे पहुंचे और ड्रोन उड़ाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

पुलिस कप्तान ने सबसे पहले टोल प्लाजा पर खुद ड्रोन उड़ाकर नाइट विजन कैमरे की जांच की। इसके बाद वे पत्थरबाजी वाले मुख्य प्वाइंट पर पहुंचे, वहां भी ड्रोन से निगरानी की और अधिकारियों को सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए। दो दिन पहले ही रतलाम पुलिस को ये नाइट विजन ड्रोन कैमरे मिले हैं, जिनकी कीमत 7.65 लाख रुपए है और ये 15 किमी तक की रेंज कवर कर सकते हैं।

एनएचएआई के पेट्रोलिंग वाहन में रहेगा ड्रोन...

श्री अमित कुमार ने बताया कि ड्रोन कैमरा अब एनएचएआई के पेट्रोलिंग वाहन में रहेगा, जिसे एक ट्रेंड पुलिसकर्मी ऑपरेट करेगा। निगरानी के दौरान यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखती है, तो इसे तुरंत कैप्चर कर कंट्रोल रूम और संबंधित थाना क्षेत्र को सूचना दी जाएगी।

बीजेपी नेता इकबाल बेली की अवैध जागीर पर राजस्व विभाग मेहरबान..?

अवैध कॉम्प्लेक्स चर्चाओं में, पर्दे के पीछे कोई पार्षद तो नहीं?

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के प्रतापगढ रोड स्थित अवैध काम्प्लेक्स और कब्जे को लेकर आमजन में लगातार असंतोष बढता जा रहा हैं। जन सुनवाई में बढते राजस्व के मामले दर्शा रहे है कि समय रहते कार्यवाही नहीं होने की स्थिति प्रशासन के लिए तो सरदर्द साबित होती ही है, ऐसी समस्याओं से घिरे आम आदमी में भी असंतोष पनपता है। जिससे शासकीय अधिकारियों के रूटिन कार्य प्रभावित होते है ! प्रतापगढ रोड नाका नंबर 10 पर अवैध काम्प्लेक्स के संबंध में एसडीएम मंदसौर द्वारा तहसीलदार नगर मंदसौर को सिविल वाद पेश करने व शासन हित में आगे की प्रारंभिक कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश तो दे दिए हैं। लेकिन, इस अवैध निर्माण का ताबूत रातों रात नहीं बना होगा? बल्कि सूत्र यह भी बताते है कि इस अवैध निर्माण के चलते ही शिकायतें जारी हो गई थी। जो अव्यवस्थाओं और बदइंतजामी की पोटली में ग़र्क हो गई।

बता दें कि मंदसौर प्रतापगढ रोड नाका नंबर 10 मंदसौर में स्थित शासकीय भूमि सर्वे नंबर 2059 पर अवेध अतिक्रमण कर काम्प्लेक्स का निर्माण कर शासन की करोडों की बेशकीमती जमीन डकारने की प्लानिंग चली ओर यह अवैध काम्प्लेक्स बन गया। सूत्र बताते है कि मोटी रकम लेकर यहां की कुछ दुकानें भी बेच दी गई। जानकारी अनुसार उक्त निर्मित काम्प्लेक्स को शासन के अधिपत्य में लेने के संबंध में मंदसौर जिला कलेक्टर को जनहित में एक आवेदक ने आवेदन भी दिया था।

पिछले दिनों की गई एक शिकायत के आधार पर तहसीलदार द्वारा पटवारी कस्बा मंदसौर से जांच प्रतिवेदन लिया गया। पटवारी द्वारा रिपोर्ट एवं पंचनामा में उल्लेख किया गया कि उक्त जांच में पाया गया कि कस्बा मंदसौर स्थित भूमि सर्वे नंबर 2059 में दुकानें बनी है जो इकबाल बेली पिता बेली खान द्वारा बेची गई है। आवेदक द्वारा बताया गया कि सर्वे 2059 वर्ष 1938- 39 में मिल्कियत सरकार (शासकीय) दर्ज रही है। जिसके रिकॉर्ड की जांच करने के उपरांत पाया कि सर्वे नंबर 2059 वर्ष 1938- 39 में सर्वे नंबर 2890 था जो मिल्कियत सरकार दर्ज है।

वर्ष 1973 – 74 मे सर्वे नंबर- 2059 रकबा 0.523 हेक्टेयर अभय कुमार पिता संपतलाल बाफना के नाम अधिकार अभिलेख में दर्ज है। मौके पर सर्वे नंबर 2059 रकबा 0.189 हेक्टेयर की भूमि पर दुकानें निर्मित है जो फोरलेन

व मंदसौर रोड की ओर है व वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड में इकबाल पिता बेली खान आदि के नाम दर्ज है। उल्लेखनीय है पिछले समय मंदसौर प्रतापगढ रोड नाका नंबर 10 पर अवैध काम्प्लेक्स के संबंध में एसडीएम मंदसौर द्वारा तहसीलदार नगर मंदसौर को सिविल वाद पेश करने व शासनहित में आगे की प्रारंभिक कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिए थे, प्रतापगढ रोड नाका नंबर 10 पर अवैध काम्प्लेक्स के संबंध में तथाकथित भू-माफिया के विरुद्ध पटवारी की रिपोर्ट प्राप्त कर तहसीलदार मंदसौर द्वारा जांच कर एसडीएम मंदसौर को प्रतिवेदन भेजा गया। जिसमें उक्त तथाकथित भूमाफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही के संबंध में प्रतिवेदन पेश किया था।

जानकारों का कहना- जानकार बताते है कि अब तक हुई जांच में साफ हो गया है कि उक्त जमीन रिकॉर्ड में शासन के नाम से दर्ज है तो इस जमीन को मुक्त कराया जाना था। ऐसे कई मामलों में कारगर कार्यवाही होकर शासन की बेशकीमती भूमि मुक्त करवाई गई है। इस मामले में न्यायालयीन कार्यवाही करने का औचित्य अवैध निर्माण कर्ताओं को मोहलत देने जैसी स्थिति निर्मित करता है। कल को न्यायालय में अगर यह जमीन शासकीय घोषित होती है (जिसकी पूरी संभावनाएं है) तब इस कॉम्प्लेक्स में दुकानें खरीदने वाले का तो बेड़ा ग़र्क हो जाएगा।

राहुल कांग्रेस को सुधारने के लिए बागड़ छांट रहे हैं या पेड़ काट रहे हैं...

मंदसौर/उज्जैन, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पहले पांच राज्यों के विधानसभा फिर लोकसभा और बीते दिनों हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव हारने के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में भीतरघातियों का संगठन में होना स्वीकार भी किया और छंटनी करने का इशारा भी किया था। हाल ही में राहुल ने एक दर्जन पदाधिकारियो को बदलकर इसकी शुरुआत कर दी है। पिछले तीन दिनों से तिरुवंतपुरम के सांसद पूर्व मंत्री शशि थरूर के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद आए बयान ने कांग्रेस केंद्रीय संगठन से लेकर देश के राजनीतिक जगत में हलचल मचा दी है। इसी प्रसंग में शशि थरूर की राहुल गांधी से बंद कमरे में कांग्रेस के वैचारिक मूल्यों को लेकर चर्चा भी हो चुकी है। शशि थरूर ने बंद कमरे में मुलाकात होना स्वीकारा है। पर, विषय पर अभी तक मौन है। कांग्रेस हाई कमान की उक्त कार्रवाई को राहुल गांधी की कांग्रेस में आमूलचूल परिवर्तन कर नए ऊर्जावान संगठन को बनाने की मुहिम के साथ जोड़कर देखा जा सकता है।

कांग्रेस के सांसद शशि थरूर, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, के वेणुगोपाल के साथ मीनाक्षी नटराजन, दीपक बावरिया, अजय माकन आदि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व टीम में हमेशा बने रहते हैं। इनमें से 90 प्रतिशत राज्यसभा सांसद बनते आ रहे हैं। अजय माकन दिल्ली से लगातार हार रहे हैं तो रणदीप सुरजेवाला हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपनी जमानत जप्त करा चुके हैं। मीनाक्षी नटराजन मंदसौर नीमच संसदीय क्षेत्र से तीन बार लोकसभा चुनाव लड़ चुकी है, एक बार जीती है तो लगातार दो बार हारी है। स्थानीय जनमत के साथ कुछ कांग्रेस विचारधारा रखने वालों का भी दावा है कि काम बताने पर नियमों का हवाला देने वाली मीनाक्षी अब कभी भी यहां से जीत नहीं सकती है।

चन्द्रमोहन भगत

बात कांग्रेस सुधारने वाली राहुल ने सिद्धांत की कही है तो इनका खुद के कार्यकाल पर भी नजरे डालना जरूरी हो जाता है। आज भी कांग्रेस अध्यक्ष कोई भी हो पार्टी सुप्रीमो तो राहुल ही है। वरना क्यों बंद कमरे में शशि थरूर से बात की, खड़गे से कखवाते। खैर, इनके राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महामंत्री रहते उत्तरांचल के स्थानीय नेता हरीश रावत को नजरअंदाज कर एनडी तिवारी को 2002 में मुख्यमंत्री बनवाया गया था। उसके बाद भी 2012 में फिर से सरकार बनी तो गैर विधायक विजय बहुगुणा को बनवाया गया था। उत्तरांचल के स्थानीय होने के बाद भी सातवें मुख्यमंत्री बन पाए थे हरीश रावत वह भी 02 साल के लिए। फिर 21 अप्रैल 2016 को 24 घंटे के लिए पुनः 11 मई 2016 से 311 दिन के लिए। जबकि, 2002 में ही हरीश रावत को मुख्यमंत्री बनना था। आज राहुल शशि जरूर से अदानी से संबंध या मोदी की अमेरिकी यात्रा की प्रशंसा करने पर नाराज हैं तो उनसे नाराज क्यों नहीं हो पा रहे हैं, जिन्होंने प्रदेश की सरकारें घटिया प्रत्याशी बनाकर भाजपा को सौंपी थी।

उदाहरण मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ है। इन प्रदेशों के नेताओं के साथ अपनी जमानत जप्त कराने वाले मध्य प्रदेश के प्रभारी सुरजेवाला थे। इन पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो पाई ! छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल के शासनकाल में भी जंगलों वाली भूमि अदानी को प्रक्रिया आसान कर दी गई थी। अशोक गहलोत सरकार ने भी अदानी को राजस्थान में सहज प्रवेश कराया था। मध्य प्रदेश में 10 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद दो बार के लोकसभा चुनाव में दिग्विजय सिंह हार चुके हैं, फिर भी बार-बार राज्यसभा में भेजा जा रहा है। क्या इनके कारण कांग्रेस की हुई दुर्गति का परीक्षण कर सकते हैं राहुल गांधी ! अपने कार्यकाल का भी कराए 20 साल बाद आपको आभास हुआ कि दलित और पिछड़े कांग्रेस से दूर हुए हैं। क्या आपकी छत्रछाया में नहीं पनपे गुलामनबी आजाद सुरेश पचौरी, रीता जोशी, विजय बहुगुणा, मिलिन देवडा, नवीन जिंदल, अशोक चौहान, गौरव वल्लभ और ज्योतिरादित्य सिंधिया ऐसे और भी अनेक नाम है। ऐसे दर्जनो पूर्व कांग्रेसियों ने सैकड़ो समर्पित और जन आधार वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हक मारा। आपके साथ रहकर और अवसरवादियों की तरह दल बदल लिया। तब भी नेतृत्व तो आपके हाथों में था और जिन्हें आज कांग्रेस के शीर्ष पदों पर बैठा रखा है। जिन पर शशि थरूर से ज्यादा भीतरघात का संदेह किया जा रहा है, उन्हें भी तो राहुल का ही संरक्षण मिला हुआ है । कुल मिलाकर शशि थरूर ने कुछ बोला ही है, जिसे आपसी बातचीत से सुधारा भी जा सकता है। अक्षम्य नुकसान करने वालों को छोड अगर ऐसे कार्यकर्ताओं को छोटी गलती पर बडी सजा देंगे तो जिनके कारण पूरे राज्यों को कांग्रेस ने खोया, वे वट वृक्ष की तरह कांग्रेस में अभी भी जमे हुए हैं, ऐसे वृक्ष कौन काटेगा। काटा भी जाएगा या संरक्षण दिया जाएगा..!

दिन भर छाए रहे बादल, अब शुरू होगा मौसम में बदलाव

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अंचल में शुक्रवार को दिनभर बादल छाए रहे। हालांकि धूप भी खिली रही। लेकिन, गर्मी का असर बहुत कम रहा। इधर मार्च के पहले सप्ताह में बादल छाने और हल्की बारिश होने के आसार हैं। 02 मार्च से पश्चिम-उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। जिसका असर प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है। खासकर 04 मार्च से इंदौर, ग्वालियर, चंबल इलाके में कहीं-कहीं मौसम बदला हुआ रह सकता है। इससे पहले दिन-रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

फरवरी में मौसम का मिला-जुला असर रहा। शुरुआती दिनों में ही तेज ठंड पड़ी। लेकिन, दूसरे सप्ताह से ठंड गायब सी हो गई। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत कई शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से अधिक ही रहा। वहीं दिन में 34 डिग्री तक पहुंच चुका है। फरवरी के आखिरी दिन शुक्रवार को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहा। लेकिन, मार्च के पहले सप्ताह में मौसम में फिर से बदलाव देखने को मिल सकता है। इधर उत्तर-पश्चिमी भारत में सक्रिय होने वाले वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर प्रदेश में 2 दिन बाद यानी 04 मार्च से देखने को मिल सकता है। इसके अलावा एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है। इस कारण भोपाल समेत कई शहरों में बादल छाए रहे।

एमडी-डोडाचूरा के साथ दो युवकों को पकड़ा

पांच लोगों पर मामला दर्ज, तीन की तलाश जारी

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला न्यायालय से

पशुपतिनाथ जाने वाले रोड से पुलिस ने 61 ग्राम एमडी और पांच किलो से ज्यादा डोडाचूरा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में कुल पांच लोगो के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। इसमें तीन फरार आरोपियो की तलाश की जा रही है।

शहर कोतवाली टीआई पुष्पेंद्रसिंह राठौर ने बताया कि सूचना मिलने पर पशुपतिनाथ मंदिर - न्यायालय रोड पर दबिश दी गई। सुलभ कॉम्प्लेक्स के सामने दो युवकों को रोका गया। जिन्होंने अपना नाम आसिफ पुतल्ला उर्फ बख्तावर पिता अब्दुल हक नियारगर तथा नन्दकिशोर पिता मोहनलाल फुलवानी बताया। इनकी तलाशी लेने पर इनके पास से 61 ग्राम एमडी और 5 किलो 680 ग्राम डोडाचूरा मिला, जिसे जब्त किया गया। टीआई राठौर ने बताया कि इस मामले में पांच लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जिसमें तीन की तलाश की जा रही है।

विचार-मंथन

विद्यार्थियों का घटता नामांकन चिंता का विषय

देश के कई विद्यालयों में विद्यार्थियों का घटता नामांकन चिंता का विषय है। एक रपट में कहा गया है कि देशभर में कम से कम पैंतीस फीसद स्कूलों में पचास या उससे कम ही विद्यार्थी पढ़ते हैं। कई स्कूलों में एक या दो ही शिक्षक हैं। दस फीसद स्कूलों में बीस से कम विद्यार्थी आ रहे हैं। यह स्थिति स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। स्कूलों में नामांकन की स्थिति पर जो विश्लेषण सामने आया है, वह बेहद निराशाजनक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि भारत में लगभग 12.6प्रतिशत छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं। इनमें से 19.8प्रतिशत माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ते है और 17.5प्रतिशत उच्च प्राथमिक स्तर पर। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, ओडीशा, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और राजस्थान जैसे राज्यों में उपलब्ध स्कूलों की संख्या नामांकित छात्रों के प्रतिशत से अधिक है, जिसका अर्थ है कि उपलब्ध स्कूलों का कम उपयोग हो रहा है। शिक्षा तक सभी की पहुंच समाज और देश के विकास और प्रगति के लिए अनिवार्य है। लेकिन इस दिशा में काफी काम करने की जरूरत है। अभी तक हम चुनौतियों से पार नहीं पा सके हैं। कई परिवार, विशेष रूप से गरीबी में रहने वाले परिवार, अपने बच्चों के योगदान पर निर्भर रहते हैं। बाल श्रम न केवल उन्हें शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित करता है बल्कि उन्हें संभावित शोषण और स्वास्थ्य जोखिमों के लिए भी उजागर करता है। दूसरा है, बाल विवाह। कम उम्र में विवाह, खास तौर पर लड़कियों के लिए, स्कूल छोड़ने की दर में अहम योगदान देता है। इसके अलावा, आकर्षक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी भी छात्रों की प्रतिबद्धता को कम कर सकती है। भारत में स्कूल छोड़ने के पीछे लैंगिक असमानता एक और बड़ी वजह है। सुरक्षा संबंधी चिंताएं, घरेलू जिम्मेदारियों और सामाजिक मानदंड अक्सर लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने से रोकते हैं। कुपोषण और पुरानी बीमारियों सहित स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, स्कूल छोड़ने वालों में योगदान करती हैं। माता-पिता की भागीदारी बच्चे की शैक्षिक सफलता में एक बड़ी भूमिका निभाती है। सवाल है कि कैसे हो सुधार। सरकार को प्रारंभिक बचपन शिक्षा कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों के लिए जरूरी है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निवेश करके प्रभावी शिक्षण देने के लिए कौशल और ज्ञान की गारंटी सुनिश्चित की जा सकती है। परामर्श केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। कई बच्चे, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण स्कूल छोड़ देते हैं। बच्चों की समस्या को हल करने में समुदाय और अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच और मध्याह्न भोजन योजनाओं सहित स्कूल स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। बाल श्रम के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। कई स्तरों पर प्रयास करना होगा, तभी शिक्षित भारत के लक्ष्य के लिए मजबूती से काम हो सकेगा।

एनडीए के निशाने पर रहेगा लालू-राबड़ी का जंगल राज

पवन अग्रेती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में 'जंगल राज' की बात कही थी। मोदी के संबोधन से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की लोगों को याद दिलाई। नीतीश ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि आपको याद होगा कि जब हम बिहार में (2005 में) सत्ता में आए थे, तब क्या स्थिति थी। सूर्यास्त के बाद कोई भी घर से बाहर नहीं निकलता था।' पिछले कुछ हफ्तों में जेडीयू लालू और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के 15 साल के शासनकाल को लेकर लगातार मुखर रहा है। जेडीयू के नेताओं और पार्टी ने सोशल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी लालू-राबड़ी के शासनकाल को 'जंगल राज' बताते हुए लगातार हमला किया है। अगर आप जेडीयू के यूट्यूब चैनल पर नजर डालेंगे तो पता चलेगा कि पिछले दो महीनों में पार्टी ने अपने यूट्यूब चैनल पर 12 वीडियो अपलोड किए हैं। इनमें से 6 वीडियो लालू-राबड़ी शासन के कथित 'जंगल राज' के बारे में हैं। 12 फरवरी को जेडीयू ने एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में सवाल पूछा गया, 'क्या आप जानते हैं कि 'जंगल राज' शब्द कैसे आया, इसका इस्तेमाल पटना हाई कोर्ट ने 5 अगस्त, 1997 को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए किया था और उस समय बिहार में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी का शासन था।' 8 फरवरी को जेडीयू की ओर से एक और वीडियो अपलोड किया गया। इस वीडियो की शुरुआत इस लाइन से हुई कि बिहार को 'जंगल राज' से निकालकर सुशासन की राह पर लाने वाला नेता। इसमें नीतीश सरकार के विकास कार्यों पर बात की गई। इसी तरह एक वीडियो में लालू प्रसाद यादव से जुड़े चारा घोटाले को दिखाया गया और कहा गया, '(लालू) जानवरों का चारा भी खा गए।' ठीक यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी भागलपुर रैली में आरजेडी पर निशाना साधते हुए दोहराई। बेतिया में 10 जनवरी को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडीयू और बीजेपी ने पोस्टर जारी किए, जिसमें 'जंगल राज का चंपारण' लाइन और लालू की तस्वीर के साथ डर से चिल्लाती हुई महिला को दिखाया गया। पोस्टर में इसके साथ ही 'एनडीए का मतलब उन्नति और विकास' बताया गया जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और चमचमाते हाईवे की तस्वीरें थीं। आरजेडी के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने कहा कि एनडीए का 'जंगल राज' वाला प्रचार बताता है कि वे विधानसभा चुनावों को लेकर परेशान हैं। झा ने कहा, 'वे पिछले 15 सालों से यही सब कह रहे हैं और इससे साफ है कि उनके पास कोई पॉजिटिव एजेंडा नहीं है।' मनोज झा ने कहा कि जो लोग 'जंगल राज' की बात कर रहे हैं, उनकी खुद की डबल इंजन सरकार बिहार के लिए कुछ नहीं कर पाई है। झा ने बिहार में लालू यादव के शासनकाल में हुए सामाजिक परिवर्तन को उठाया। उन्होंने कहा, 'अगर 1990 के दशक में सबाल्टर्न जागृति नहीं हुई होती तो प्रधानमंत्री अपने ही राजनीतिक दल में इतनी ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाते। हम 2020 में भी इस चुनौती का सामना कर चुके हैं और इससे निपट चुके हैं।' जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद कहते हैं कि एनडीए का 'जंगल राज' वाला प्रचार सिर्फ आरजेडी द्वारा नीतीश कुमार की उपलब्धियों पर सवाल उठाने का जवाब है। उन्होंने कहा, 'बिहार में एकतरफा मुकाबला होने जा रहा है क्योंकि हमारे पास पिछले 20 सालों की असीमित उपलब्धियां हैं, बुनियादी सुविधाओं से लेकर नौकरियों और सशक्तिकरण तक। बिहार की तस्वीर एकदम बदल गई है। जब हम जंगल राज की बात करते हैं, तो यह इसलिए होता है क्योंकि विपक्ष हमारी उपलब्धियों को नकारने की कोशिश कर रहा है।

बेटे निशांत कुमार की लॉन्चिंग को तैयार हैं नीतीश

संतोष पाठक

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार लगातार अपने बयानों से यह संकेत दे रहे है कि वे बिहार की सक्रिय राजनीति में उतरने को तैयार हैं। निशांत के बयानों पर नीतीश कुमार की चुप्पी भी यही संकेत दे रही है कि बिहार के मुख्यमंत्री अपनी राजनीतिक विरासत और अपनी पार्टी- जनता दल यूनाइटेड दोनों को अपने बेटे के हाथ में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। नीतीश कुमार की चुप्पी और निशांत कुमार के बयानों के कई मतलब और मायने भले ही निकाले जा रहे हो लेकिन राजनीति को सही ढंग से समझने वाला कोई भी जानकर यह बता सकता है कि पिता-पुत्र के मन में क्या चल रहा है। नीतीश कुमार शुरू से ही परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ रहे हैं। कई बार तो वह सार्वजनिक मंच से परिवारवाद की राजनीति करने के लिए लालू यादव पर निशाना साध चुके हैं। यहां तक कि दशकों तक नीतीश कुमार किसी भी सार्वजनिक मंच पर अपने बेटे निशांत कुमार को अपने साथ नहीं ले गए। लेकिन पिछले कुछ दिनों से नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार की तस्वीरें लगातार सामने आ रही है। निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री को लेकर जेडीयू नेताओं के बयान भी लगातार आ रहे हैं। दूसरी तरफ, जिन निशांत कुमार की तारीफ में यह बताया जाता था कि वह बहुत सादगी से रहते हैं, मीडिया की चकाचौंध से दूर रहते हैं। वही निशांत कुमार आजकल लगातार मीडिया के सामने आ रहे हैं। सबसे अधिक गौर करने वाली बात यह है कि वह मीडिया को गंभीर राजनीतिक मसलों पर बयान देकर, हंगामा भी खड़ा कर रहे हैं। एक पल के लिए यह माना जा सकता है कि अपने पिता को फिर से बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के लिए वह बिहार के मतदाताओं से अपील कर रहे हैं लेकिन एनडीए गठबंधन को लेकर भी उनका बोलना यह दर्शाता है कि नीतीश कुमार उन्हें राजनीति में उतारने का फैसला कर चुके हैं, निशांत कुमार भी इसके लिए अपने आपको तैयार कर रहे हैं और अब लॉन्चिंग के लिए सही मौके का इंतजार किया जा रहा है। जो बात नीतीश कुमार स्वयं अपनी जुबान से नहीं बोल पा रहे थे, उन्होंने वह बात अपने पुत्र निशांत कुमार की जुबान से बुलवाकर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेल दिया है। निशांत कुमार ने एनडीए गठबंधन के सबसे बड़े दल भाजपा को नसीहत देते हुए कहा कि, •एनडीए भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे।

आठ अरब की दुनिया में अकेले रहने की चाहत

अनिल त्रिवेदी

आठ अरब मनुष्यों की दुनिया को भीड़ भरी दुनिया की संज्ञा दी जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं मानी जाएगी। मगर आज की भीड़ भरी दुनिया में मनुष्यों के मन में अकेलेपन का अहसास दिन दूना रात चौगुना बढ़ रहा है और यही एक नई बात है। भीड़ और अकेलापन, दोनों एक-दूसरे से विरोधाभासी शब्द हैं। भीड़ यानी मनुष्यों की एक ही जगह बहुत बड़ी संख्या और अकेलापन यानी मनुष्यों के मन में किसी अन्य मनुष्य के सान्निध्य या विचार का पूरा अभाव। मनुष्य भीड़ से ज्यादा अकेलेपन से डरता है। भीड़ तो कई तरह से मनुष्य के हौसले को ताकत देती महसूस होती है, भले ही उसके संदर्भ अलग और कई बार नुकसानदेह भी हों, पर अकेलापन न घर में रहने देता है, न भीड़ में जाने का उत्साह देता है। अकेलापन और भीड़, दोनों ही मनुष्य मन की मनःस्थिति को उजागर करती है। कोई मनुष्य भीड़ में भी अकेला महसूस कर सकता है और अकेले ही भीड़भाड़ का आनंद भी ले सकता है। ये दोनों मनःस्थिति पूरी तरह से मानव मन के खेल है। इन दिनों छोटे, बड़े, मझोले और महानगरों में रहवासी मकानों की अंतहीन भीड़ बाहर से हर कहीं दिखाई देती है, पर मकानों की भीड़ के अंदर झांकने पर एकाकीपन का अहसास लिए ढेर सारे लोगों से साक्षात्कार होता है। हमारा व्यक्तित्व और कार्यशैली भी तय करती है कि हम कैसे रहना या जीवन जीना चाहते हैं। हमारी आजीविका तय करती है कि हम कैसे और क्या कार्य करना चाहते हैं? जब हम खरीद-फरोख्त का व्यापार व्यवसाय करने वाले होते हैं तो हमारी मनोकामना यह होती है कि हमारी दुकान पर हर समय भीड़-भाड़ हो और व्यापारिक चहल-पहल भी बनी रहे। अगर हमारे पास लिखने-पढ़ने का कार्य है या हम चित्रकार हैं या और कोई अन्य कारीगरी का काम करते है तो कार्यस्थल पर भीड़-भाड़ न हो, तब हमें अकेले ही कार्य करने में मजा आता है। पर जब हम अपनी चित्रकारी की प्रदर्शनी लगाएंगे या उत्पादित वस्तुओं की बिक्री करने के लिए हाट-बाजार या किसी प्रदर्शनी के स्टाल पर रखते हैं तो हमारी मनोकामना यह होती है कि इतनी भीड़ हमारे स्टाल पर हो कि रखी गई सभी वस्तुएं बिक जाएं। इस दृष्टि से देखे या सोचें तो भीड़-भाड़ और अकेलापन हमारे मन का सापेक्ष भाव है। जब हमारी मानसिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक या व्यावसायिक आवश्यकता होती है तो हम भीड़-भाड़ न केवल पसंद करते हैं, वरन् इस तरह की

चहल-पहल हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता की तरह ही लगती है। मनुष्य अपने जीवनकाल में केवल उन्हीं लोगों को याद कर सकता है जो उसके घर परिवार, आस-पड़ोस, जान-पहचान के हों। मनुष्य को याद भी उन्हीं लोगों की आती है, जिनसे पूर्व में कभी न कभी संपर्क हुआ हो या जिन्हें मनुष्य किसी न किसी रूप में जानता, मानता या पहचानता हो, भले ही ऐसे मनुष्य से पूर्व में प्रत्यक्ष मिलना-जुलना नहीं भी हुआ हो, पर स्मरण मात्र से याद आ सकता है। अपने-अपने जीवन में प्रत्येक मनुष्य अनगिनत मनुष्यों से मिलता या उन्हें देखता है, लेकिन उनका हर समय स्मरण नहीं हो सकता। हजारों लाखों लोग की भीड़ में अगर हमारा कोई एक परिचित शामिल है तो दिखाई देते ही हम उसे पहचान लेते हैं। बाकी अपरिचित लोग हमें दिखाई तो देते हैं, पर हम न तो उन्हें पहचानते हैं और न ही पूरी तरह जानते हैं। एकाकीपन महसूस ही तब होता है, जब हमारे परिचित या परिजनों से हम दूर हों। अगर हमारे विचार से अलहदा हमारे परिजनों के विचार हों और हम अपने विचारों को परिजनों और परिचितों को समझा नहीं पा रहे हों तो हमारे मन में वैचारिक अकेलेपन का अहसास एकदम से आ जाता है। विचार-विमर्श से आपस में वैचारिक अकेलेपन का भाव अपने आप दूर होकर मनुष्य समाज अपने आप को विचारों से जुड़ाव महसूस करता है। अबोलेपन से भी मनुष्य को अकेलेपन की अनुभूति होती है। हर मनुष्य का अपना एक दायरा होता है। इसी तरह से प्रत्येक मनुष्य का अपने जीवन जीने का एक अनोखा अंदाज भी होता है। हम अनजाने लोगों से भी भले ही मिलकर सहजीवन न कर सकें, पर निगाह मिलने या आमने-सामने आ गए तो अपने चेहरे पर आत्मीयता के भाव लाकर कोई संपर्क न होते हुए भी एक शब्द या मुस्कुराहट से अभिवादन का आदान-प्रदान अपने आप करने का क्षणिक स्वस्फूर्त भावना को व्यक्त करने में अपने आप से भी झिझकते या पूछते नहीं है।

अब रेखा से बंधी दिल्ली की उम्मीद

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता ने अपना पद संभाल लिया है। वह छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र संघ की अध्यक्ष और दिल्ली नगर निगम की पार्षद वह रह चुकी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उनके करीबी संबंध हैं। उनका जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं से कितना जुड़ाव है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बुधवार-गुरुवार की देर रात ही उनके विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग में बधाई संदेश वाले पोस्टर लगने लगे थे। ऐसा तभी होता है, जब स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं पर आपकी अच्छी पकड़ हो। हालांकि, उनके लिए यह पद काफी चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। पहली चुनौती तो वरिष्ठ नेताओं का साथ लेकर सरकार चलाने की होगी। यह सही है कि आरएसएस और भाजपा हाईकमान का साथ उनको मिला है, लेकिन दिल्ली में ऐसे कई वरिष्ठ नेता थे, जो मुख्यमंत्री पद की कुर्सी को हसरत भरी निगाहों से देख रहे थे। प्रवेश वर्मा, सतीश उपाध्याय, वीरेंद्र सचदेवा, विजेंद्र गुप्ता, मनोज तिवारी जैसे कई नेता है, जो खुलकर न सही, पर परोक्ष रूप से अपनी इच्छा जाहिर कर चुके थे। फिर भी, पार्टी ने रेखा गुप्ता पर भरोसा किया, तो उन पर यह नजर बनी रहेगी कि वह सबको साथ लेकर कैसे आगे बढ़ती हैं? दिल्ली में अप्रैल में दिल्ली नगर निगम के मेयर का चुनाव होना है और यह चुनाव इसलिए भी खास है, क्योंकि 'ट्रिपल-इंजन की सरकार' बनने के दावे अभी से होने लगे हैं। बेशक, दिल्ली के मुख्यमंत्री की एमसीडी चुनावों में सीधी सहभागिता नहीं होती, लेकिन उन पर यह चुनाव जिताने की जिम्मेदारी जरूर होगी। ऐसे में, यह देखना होगा कि रेखा गुप्ता इस चुनाव में कितनी सफल हो पाती हैं? दूसरी चुनौती, दिल्ली वालों की उम्मीदों को पूरा करने की है। भाजपा 27 साल बाद यहां सत्ता में लौटी है। दिल्ली भले ही एक छोटा राज्य है, लेकिन इसका प्रभाव पूरी दुनिया में है। यहां 3.4 करोड़ लोग बसते हैं और आबादी के लिहाज से यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। जाहिर है, सिर्फ सात लोकसभा सीट और 70 विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली को समेटना गलत होगा। इसका व्यापक प्रभाव हिंदी पट्टी पर है, जहां हर हाल में भाजपा अपना दबदबा बनाए रखना चाहती है। समझने की बात है कि भाजपा केंद्र में इसलिए है, क्योंकि हिंदी पट्टी का भरोसा उस पर है। इस भरोसे को दिल्ली सरकार को बढ़ाना होगा। फिर, दिल्ली ने इस चुनाव में एक 'ट्रेंड' सेट किया है। पहले भावनात्मक मुद्दों पर मत डाले जाते थे, लेकिन दिल्ली वालों ने इस बार ऐसे मुद्दों को नकारकर वायु और जल प्रदूषण जैसे मुद्दों पर वोट दिया। भाजपा इसलिए भी यह चुनाव जीत सकी, क्योंकि लोगों को लगता है कि पड़ोसी राज्यों में भाजपा सरकार होने से दिल्ली की सरकार प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान निकाल सकती है। भाजपा और नई मुख्यमंत्री पर यह दबाव रहेगा कि वह दिल्ली को एक नजीर के रूप में पेश करें। यमुना की सफाई को लेकर की जा रही नई पहल इसी की एक कड़ी है। मगर ऐसा करते हुए यह ध्यान रखना होगा कि यमुना के तटों को नर्मदा की तरह सजाने-संवारने मात्र से बात नहीं बन सकती। इस नदी के पानी को साफ करना होगा। लिहाजा, निर्मल और स्वच्छ यमुना बनाने की समय-सीमा और कार्य-योजना नई मुख्यमंत्री को जनता के सामने जल्द पेश करनी होगी। वायु प्रदूषण को लेकर भी यही बात कही जा सकती है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों में भाजपा सरकार होने से नई मुख्यमंत्री पर यह दबाव रहेगा कि वह वायु प्रदूषण से निपटने की ठोस व्यवस्था करें। पंजाब में जरूर आम आदमी पार्टी की सरकार है।

यूएन में पाकिस्तान को भारत की फटकार, कहा-पाकिस्तान एक असफल देश, वह इंटरनेशनल भीख पर जीता है

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

हिमाचल-कश्मीर व उत्तराखंड में बर्फबारी, चमोली में ग्लेशियर टूटने से मजदूर फंसे

इंदौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण इस समय मौसम में जबरदस्त बदलाव देखा जा रहा है। यह विक्षोभ पहाड़ी इलाकों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक अपना असर दिखा रहा है। दो महीने से सूखा झेल रहे जम्मू-कश्मीर में अब बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू हो चुका है, जिससे नदियों में पानी आ गया है और पहाड़ों पर बर्फ की चादर जम गई है।

पहाड़ों पर भारी बर्फबारी–कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में इस वक्त बर्फबारी का सिलसिला लगातार जारी है। कश्मीर में दो महीने से सूखा पड़ा हुआ था, लेकिन अब बारिश और बर्फबारी के कारण मौसम पूरी तरह से बदल चुका है। उत्तराखंड के ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है, जबकि निचले इलाकों में बारिश का दौर जारी है। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों पर बर्फबारी हो रही है।

हिमाचल में बर्फबारी और सड़कें बाधित–हिमाचल प्रदेश में पिछले 48 घंटों से भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है। राज्य के कई क्षेत्रों में एक फुट से ज्यादा ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों में लगभग 90 प्रतिशत सड़कों पर यातायात बाधित हो चुका है, जिससे सैकड़ों लोग फंस गए हैं। कुल्लू और मनाली में भी बर्फबारी का सिलसिला जारी है, जिससे तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है।

मौसम का अलर्ट–मौसम विभाग के अनुसार, 28 फरवरी को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान में भी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम का यह बदलाव प्रदेशों में ठंड बढ़ाने के साथ-साथ सर्दी के मौसम को और कड़ा बना सकता है।

चमोली में हिमखंड टूटने से बीआरओ का कैंप तबाह–चमोली के माणा पास के निकट हिमखंड टूटने से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) का कैंप क्षतिग्रस्त हो गया। घटनास्थल पर 57 श्रमिक मौजूद थे, जिनमें से तीन को सेना के चिकित्सा शिविर में लाया गया। बाकी की जानकारी जुटाई जा रही है। आइटीबीपी और सेना की टीम मौके पर पहुंच चुकी है, लेकिन संचार सेवा बाधित होने के कारण बचाव दल से संपर्क नहीं हो पा रहा है। प्रशासन की टीम भी रवाना हो गई है। बर्फ में दबे 16 श्रमिकों को रेस्क्यू किया गया। ये माणा गांव से माणा पास तक 50 किमी क्षेत्र में हाइवे चौड़ीकरण डामरीकरण के कार्य में जुटे थे।

कलेक्टर ने बीज उत्पादक समिति का किया निरीक्षण

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय नीमच के मालखेड़ा रोड पर स्वर्गीय श्री एस.एस.पाटीदार बीज उत्पादक समिति लासुर द्वारा स्थापित सीड़ ग्रेडर प्लांट का निरीक्षण कर, समिति द्वारा सोयाबीन के बीज की ग्रेडिंग प्रक्रिया का जायजा लिया। इस मौके पर उप संचालक कृषि श्री भगवान सिह अर्गल, सहायक बीज प्रमाणिकरण अधिकारी श्री यशपाल पोरवाल एवं बीज उत्पादक कंपनी के श्री विजय पाटीदार, सहायक संचालक कृषि श्री रमेशचंद्र चौहान भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बीज ग्रेडिंग प्लांट के अवलोकन दौरान सीड ग्रेडर मशीन से सोयाबीन के बीज की ग्रेडिंग प्रक्रिया का मौके पर अवलोकन किया और बीज ग्रेडिंग के उपरांत ग्रेडेड सीड के सर्टिफिकेशन, लेब में टेस्ट एवं तैयार बीज की पैकिंग एवं टैगिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। उन्होने समिति में पंजीकृत किसानों की संख्या, प्रति लाट बीज के सेम्पंल टेस्ट की जानकारी ली। कलेक्टर ने समिति द्वारा प्लांट परिसर में ली जा रही शरबती गेहू की फसल का अवलोकन भी किया। उन्होने बीज प्रमाणीकरण अधिकारी एवं उप संचालक कृषि को निर्देश दिए, कि किसानों को अच्छीम गुणवत्ता का प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया जाए और आवश्यकता अनुसार समय-समय पर बीज के नमूने लेकर, उनकी जाँच भी करवाई जाए। कलेक्टर ने अमानक बीज विक्रय पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

पशुपतिनाथ मेले की जमीन पर निर्माण की अनुमति...

जब सांसद की चिट्ठी की अवमानना हो सकती है तो बाकी की क्या औकात..?- चन्द्रे

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि शक्तिमान होते हैं क्योंकि जनता के बहुमत के आधार पर उन्हें चुना जाता है। वह संसद और विधानसभा में कानून का निर्माण करते हैं, किंतु किसी भी प्रकरण में यदि सांसद या विधायक स्थानीय अधिकारियों को चिट्ठी लिखते हैं और उन चिट्ठियों की अवमानना होने लगेगी तो यह उनकी और अवमानना बल्कि उनको बहुमत देने वाली जनता का अपमान होता है।

यह बात शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे ने कही है। श्री चन्द्रे ने कहा कि पशुपतिनाथ स्थित जमीन जहां पर मेला लगता है, खसरा नंबर 2944 एवं 2986 जो कल 36250 वर्ग मीटर है जिसमें से 0. 2617 हेक्टेयर पर भोजनालय के निर्माण की अनुमति मांगी गई जो अपने आप में हास्यास्पद है। जबकि इस जमीन पर वर्षों से पशुपति नाथ का मेला लगता है तथा जो एक बडे धर्म स्थल के निकट है। श्री चन्द्रे ने कहा कि ऐसे स्थान पर टाउन एंड कंट्री प्लानर द्वारा किसी भी निर्माण की स्वीकृति नहीं दी जा सकती तथा इसके लिए उसे एनजीटी संबंधित धार्मिक ट्रस्ट स्थानीय नगर पालिका अथवा पंचायत और कलेक्टर अर्थात राजस्व कार्यालय से विधिवत अनुमति प्राप्त करने के बाद जब तक राज्य शासन इसकी पुष्टि ना करें, वहाँ कोई भी निर्माण की अनुमति जारी की सकती। यदि ऐसा हुआ है तो भी गलत है और नहीं हुआ है तो भी गलत है।

श्री चन्द्रे ने कहा कि आश्चर्य होता है कि जब क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने 2024 अक्टूबर माह में ही कलेक्टर को चिट्ठी लिख कर सचेत किया था कि वह इस प्रकार की जमीनों को संरक्षित करें फिर भी प्रशासन द्वारा एक चुने हुए जनप्रतिनिधि के पत्र की अवमानना कर, इस प्रकार की अनुमति जारी करना यह एक बहुत बडे षड्यंत्र का परिचायक है। यह संपूर्ण संसदीय क्षेत्र की जनता की अवमानना है। श्री चन्द्रे ने यह भी कहा कि हमारा सौभाग्य है कि उपमुख्यमंत्री मध्य प्रदेश, राज्यसभा सांसद मंदसौर के, क्षेत्रीय सांसद मंदसौर के, तथा तीनों ही भाजपा के, नगर पालिका भाजपा की, जिला पंचायत भाजपा की, मध्य प्रदेश की सरकार भाजपा की और उसके बाद भी ऐसे अनुचित निर्णय यदि हो जाते हैं तो यह मंदसौर शहर का दुर्भाग्य कहा जाएगा। उक्त विषय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है तथा टाउन और कंट्री प्लानर ने इस प्रकार की अनुमति जारी की है, उसकी जांच होनी चाहिए। निश्चित रूप से इसमें भ्रष्टचार की दुर्गंध आ रही है और जनप्रतिनिधियों को भी चाहिए की जनता के हित में इस निर्णय लेकर सारे प्रकरण को जांच में लेना चाहिए।

एनएसएस शिविर स्वयंसेवकों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं-चंदवानी

सप्त दिवसीय रासेयो शिविर का समापन

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पी.एम. कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के रा.से.यो. इकाई द्वारा ग्राम पंचायत रिछालाल मुंहा के सौजन्य से आयोजित इकाई स्तरीय विशेष शिविर का समापन समारोह सोत्साह संपन्न हुआ।

सर्वप्रथम अतिथियों का ढोल, परेड एवं सांस्कृतिक नृत्य के साथ स्वागत हुआ। अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सरस्वती वंदना स्वयंसेवक गणेश उपाध्याय ने प्रस्तुत की। जिला संगठक डॉ. के. आर. सूर्यवंशी ने अतिथियों का परिचय करवाया एवं

प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने पुष्पगुच्छ से अतिथि स्वागत किया गया। शिविर के समापन सत्र में महाविद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर स्वयंसेवकों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने सफलतापूर्वक शिविर के संपन्न होने पर रा.से.यो. टीम एवं स्वयं सेवकों को बधाई दी एवं महाविद्यालय की ओर से प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित किया। श्रीमान हरिवल्लभ पाटीदार एवं रिछालाल मुंहा के युवा सरपंच मधुसूदन पाटीदार द्वारा स्वयंसेवकों को ग्राम पंचायत की ओर से भी सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र दिए गए। साथ ही शिविर नायकविनय शर्मा, शिविर नायिका जानवी, सहशिविर नायक एवं सह शिविर नायिका को प्रोत्साहन राशि भी दी गई। सांसद प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्रीमान नरेंद्र पाटीदार एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमान मनोहर धाकड ने भी स्वयंसेवकों को संबोधित किया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान जनपद पंचायत सदस्य अर्चना बाबुलाल जी टांक भी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम में रा.से.यो. का लक्ष्य गीत की प्रस्तुति स्वयंसेवक देवांश मालवीय द्वारा दी गई। शिविर का प्रतिवेदन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने बताया। सप्त दिवसीय शिविर के अनुभव स्वयंसेवक गिरजा पाटीदार, माधव शर्मा, मनीष हाडा एवं हिमांशु ने बताएं। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा शिविर दर्पण का विमोचन किया गया एवं शील्ड और प्रमाणपत्र वितरण में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललिता लोधा एवं प्रो. प्रहलाद भट्ट ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।कार्यक्रम का सफल संचालन स्वयंसेवक अर्पित परमार एवं प्राची सोनी ने किया। अंत में आभार प्रो. रितु शर्मा ने माना। स्वयंसेवकों द्वारा अंतिम दिवस पर प्रात: काल में प्रभात फेरी निकाली गई। तत्पश्चात बौद्धिक सत्र में पूर्व पर्यटन राज्यमंत्री श्री तपन जी भौमिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रप्रथम की अवधारणा को स्पष्ट किया। कार्यक्रम के पूर्ण होने के बाद जिस परिसर में स्वयंसेवक निवासरत थे उस परिसर को पूर्ण रूप से स्वच्छ कर महाविद्यालय के लिए प्रस्थान किया।

बिना अनुमति विद्युत पोल व डिवाइडर पर फ्लेक्स व होर्डिंग नहीं लगाये अन्यथा कार्यवाही होगी

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि आगामी समय में स्वच्छता सर्वेक्षण प्रारंभ होने जा रहा है मंदसौर नगर पालिका के द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी की जा रही है नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर व स्वास्थ्य समिति सभापति श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना के निर्देशानुसार मंदसौर नगर में स्वच्छता गतिविधियां चलाई जा रही है नगर पालिका परिषद मंदसौर नगर के सभी नागरिकों से आग्रह करती है कि वह मंदसौर नगर के सभी विद्युत पोल व डिवाइडर पर फ्लेक्स वह होर्डिंग नहीं लगाए होर्डिंग व फ्लेक्स के कारण स्वच्छता गतिविधियां प्रभावित होती है यदि कोई व्यक्ति या संस्था बिना अनुमति के फ्लेक्स या होर्डिंग विद्युत पोल या डिवाइडर पर लगाते हैं तो नगर पालिका उसे हटाने का कार्य करेगी और संबंधित व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध भी कार्यवाही संभव है इसलिए बिना अनुमति के फ्लेक्स वह होर्डिंग नहीं लगाये और स्वच्छता गतिविधियों में सहयोग प्रदान करें।

मालवी प्रेम कहानी का भोपाल में ऑडिशन और प्रेस वार्ता संपन्न

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राठौर फिल्म एंड एंटरटेनमेंट के बैनर तले मालवा की पहली रोमांटिक फिल्म थारो म्हारो प्रेम का ऑडिशन भोपाल क्षेत्र के रंगकर्मियों के लिए 28 फरवरी को नाइन मसाला रेस्टोरेंट में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुश्री मालती राय महापौर भोपाल ने किया,इस अवसर पर कई कलाकार अजय पॉल नंदू , राजेंद्र कानूनगो आदि कलाकार उपस्थित रहे ,इस अवसर पर मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष वरिष्ठपत्रकार डॉ.नवीन आनंद जोशी , निशा गर्ग जी, आलोक गर्ग तथा कई गणमान्य पत्रकारों प्रेस वार्ता में चर्चा की,निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौर द्वारा फिल्म की संपूर्ण जानकारी दी । इस फिल्म के मंदसौर उज्जैन में ऑडिशन हो चुके हैं भोपाल के बाद रतलाम में होगा ,फिर झाबुआ होगा ।इस फिल्म में मालवा के स्थानीय कलाकारों को प्रमुखता से लिया जा रहा है साथ ही साथ बॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकार फिल्म में रहेंगे। पिछले सप्ताह

फिल्म का प्रोमो मंदसौर लदुना पशुपतिनाथ देव डूंगरी माताजी पर फर्स्ट शेड्यूल के संपन्न किया गया, राजेंद्र राठौड द्वारा पूर्व में फिल्म कुंवारापुर बनाई गई थी फिल्म को टैक्स फ्री करने के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन किया है कि क्षेत्रीय सिनेमा को बढावा देने के लिए क्षेत्रीय सिनेमा को विशेष अनुदान दिया जाए। मध्य प्रदेश शासन द्वारा इस प्रस्ताव को कैबिनेट में मंजूर कर लिया गया है, राजेंद्र राठौड द्वारा मुख्यमंत्री मोहन जी यादव और मध्य शासन को पूरे प्रदेश के कलाकारों की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद किया गया है,सरकार की इस पहल से क्षेत्रीय सिनेमा को बढावा मिलेगा और लोकल फिल्मों का निर्माण होगा जिससे हमारे स्थानीय कलाकारों को घर बैठे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे ।थारो म्हारो प्रेम एक सामाजिक मुद्दों पर मालवा की संस्कृति रीति रिवाज को प्रदर्शित करते हुए कई सामाजिक मुद्दों पर संदेश देती हुई, पारिवारिक महिला प्रधान फिल्म है। भोपाल और आसपास के क्षेत्र में जो भी कलाकार मालवी बोली को जानते हैं या मालवी जानने वाले कलाकारों ने ऑडिशन दिया ,निर्देशक राजेंद्र राठौर द्वारा इस अवसर पूरी फिल्म की जानकारी दी, और कहा कि प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पशुपति नाथ, धर्म राजेश्वर , गांधी सागर आदि को दिखाया जाएगा,प्रोडक्शन टीम में प्रकाश त्रिपाठी, करुणा साही, पंडित लोकेश, वैष्णवी, सुहानी दूरदर्शन के पूर्व तकनीकी निदेशक एवं कलाकार प्रदीप शिवम शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अनुराग जनजागरण पदयात्रा कल

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन के लक्ष्य को लेकर मन्दसौर नगर से अनुराग (प्रेम) रखने वाले गणमान्य नागरिकों के मार्गदर्शन में पदयात्रा निकाली जाएगी। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को निकाली जाने वाली पदयात्रा दिनांक 2 मार्च 2025, रविवार को प्रात: ठीक 8.30 बजे, यश बालाजी, संजीत रोड, मन्दसौर से प्रारम्भ होकर कित्यानी क्षेत्र में भ्रमण करेगी । पैदल चलने में असमर्थ महानुभाव प्रात: 9 से 9.15 के मध्य एकत्रीकरण स्थल यश बालाजी, संजीत रोड, मन्दसौर पर पधारकर आमजन हित के इस अभियान को अपना नैतिक समर्थन अवश्य प्रदान करें।

तौफीक मेवाती को पशुपतिनाथ मंदिर के सामने भोजनालय बनाने की अनुमति का हिन्दू जागरण मंच ने किया विरोध

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। हिन्दू जागरण मंच जिला सहसंयोजक जयवर्धन गुप्ता (लाला) एडवोकेट ने एक प्रेस नोट में बताया कि विश्व विख्यात, जन-जन के आस्था के केन्द्र भगवान पशुपतिनाथ मंदिर को मध्यप्रदेश शासन ने धार्मिक नगरी घोषित किया है एवं प्रदेश सरकार द्वारा सभी धार्मिक तीर्थ स्थलों को पवित्र घोषित कर विकसित किया जा रहा है। भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में भी करोडों रूपयों की लागत से पशुपतिनाथ लोक का निर्माण लोकप्रिय मोहन यादव सरकार द्वारा किया जा रहा है एवं जिला प्रशासन भी पूरी ईमानदारी से कार्य में लगा हुआ है। वहीं दूसरी और कुछ अधिकारी शासन एवं प्रशासन के मंसूबों पर पानी फेर रहे है। भगवान पशुपतिनाथ मेला क्षेत्र को शासन के द्वारा रिजर्व एरिये में रखा गया है इस स्थान पर भोजन शाला बनाने की आड़ में अनुमति जारी की गई है जो निरस्त की जाना उचित है।

जयवर्धन गुप्ता (लाला) एडवोकेट ने कहा कि तीन साल बाद ही उज्जैन सिंहस्थ मेला प्रारंभ होने वाला है। वहां के दर्शनार्थी भी पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन हेतु आयेंगे। उक्त कृत्य जो किया गया है वह अत्यधिक निंदनीय है। भूमाफियाओं व चंद अधिकारियों की मिलीभगत से विश्वविख्यात भगवान पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में यह खेल खेला जा रहा है। जिससे सनातन धर्मियों की आस्था पर भारी प्रहार होता है। हिन्दू जागरण मंच उपरोक्त निंदनीय कार्य की घोर निंदा करता है एवं हिन्दू जागरण मंच द्वारा मांग जाती है कि उपरोक्त कृत्य में जो सम्मिलित है उन व्यक्तियों पर कठोर कार्यवाही की जाये।

जिले के सभी राजस्व अधिकारी 20-20 बड़े बकायादारों से राजस्व वसूली करें

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी राजस्व अधिकारी प्रत्येक तहसील क्षेत्र के 20-20 बडे बकायादारों की सूची बनाकर प्रस्तुत करें और इन बडे बकायादारों से बकाया राजस्व की प्राथमिकता से वसूली करें। साथ ही अर्थदण्ड एवं नजूल डायवर्सन की बकाया राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान दे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को एनआईसी कक्ष नीमच में प्रमुख सचिव राजस्व की वीडियो कांफ्रेंसिंग के पश्चामत प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख एवं जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ममता खेडे, भी उपस्थित थी। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि सभी राजस्व वसूली बढाने पर विशेष रूप से फोकस करें।

करंट लगने से किसान की मौत

पिपलियामंडी, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अफीम फसल देखने गए किसान की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नारायणगढ थानान्तर्गत गांव चोथखेडी में शुक्रवार शाम 4 बजे करीब अफीम खेत पर गए किसान रामनारायण (40) पिता बालाराम धनगर को करंट लग गया। परिजन किसान को अस्पताल ले गए, जहां मृत घोषित कर दिया। नारायणगढ टीआई अनिल रघुवंशी ने बताया शव पीएम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया, मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

दिशा समिति की बैठक आज

नीमच, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला विकास समन्वफय एवं निगरानी समिति(दिशा) की बैठक आज एक मार्च 2025 को प्रात:10 बजे कलेक्टिर सभाकक्ष नीमच में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही है। अपर कलेक्टेर विकास, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णरव ने दिशा समिति के सभी सदस्यों और जिला अधिकारियों से बैठक में उपस्थित होने का आगृह किया हैं।

मारूखेड़ी महादेव मेले का समापन

खजूरीआंजना, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अफजलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मारूखेडी में पांच दिवसीय मेले का आयोजन संपन्न हुआ यहां पर आसपास क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु गण मेले में पहुंचे हैं दोपहर 3:00 बजे से प्रसाद वितरण का कार्यक्रम शुरू हुआ जो शाम तक लगातार जारी रहा अंतिम दिन हजारों की संख्या में भक्तगण मेले में पहुंचे वही समिति के अनुसार मेले में करीब दस हजार से ज्यादा लोग पहुंचे हैं इस बार मेले में इतनी भीड रहीं कि मेले में पांव रखने की भी जगह नहीं मिली यहां व्यापारियों ने खाने-पीने सहित मनिहारी आदि कहीं तरह की दुकानें लगाई गई जिसमें हजारों लोग दर्शन के साथ-साथ मेले में खरीदारी के लिए आते रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों में यह मेला होने की वजह से आसपास के करीब पचिस तिस गांव के लोगों की जनसंख्या सबसे ज्यादा रहती हैं इस पांच दिवसिय मेले में कहीं बाहर से व्यापारी आकर अपनी दुकान लगाते हैं महाशिवरात्रि महोत्सव में 71 वा पांच दिवसीय मेले का कार्यक्रम संपन्न हुआ है यह मारू खेडी महादेव तुबड नदी पर स्थित विराजित है यहां पर शिवरात्रि के पावन पर्व अंचल सहित क्षेत्र के हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे हैं साथ में मेले में चकरी में झूले का काफी आनंद लिया है मेले में दर्शन करने के लिए श्रद्धालु सुबह आठ बजे से शुरू हो गये थें जो शाम तक लगातार दर्शन के लिए कारवां लगातार जारी रहा है दर्शन करने के बाद मेले में कॉफी खरीदारी भी की गई इस बार लोगों ने मेले में काफी उमंग और उत्साह के साथ काफी इंजॉय किया गया है क्षेत्र से इस बाहर लोगों के द्वारा सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर अफजलपुर पुलिस प्रशासन व छठड के जवान व चौकीदारों ने मोर्चा संभाला व क्षेत्र से कहीं जनप्रतिनिधि ने महादेवक के दर्शन किए । रात्रि में नाटक व आर्केस्ट्रा का भी ग्रामीणों ने काफी आनंद लिया है।

जिला न्यायालय परिसर में रक्तदान शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से जिला न्यायालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा फीता काटकर रक्तदान शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय श्रीमान कपिल मेहता ने रक्तदान को महादान बताते हुये, इस पुनित कार्य में सहभागी बनने हेतु उपस्थित जन को प्रेरित किया। उन्होंने व्यक्त किया कि रक्तदान को लेकर आमजन में कई भ्रांतिया व्याप्त है, जबकि रक्तदान करना रक्तदाता एवं समाज दोनों के लिये उपयोगी है। उनके द्वारा रक्तदान के लाभ को बताते हुये, उपस्थित जन से व आमजन से अपील की कि वे इस स्वेच्छीक पुनीत कार्य में सहभागी बने। उक्त शिविर में न्यायालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेन्टियर्स एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा स्वेच्छिक रूप से रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वालों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये गये।

जिला चार्टर्ड अकाउंटेंट ब्रांच के निर्वाचन में मंडवारिया अध्यक्ष व भदादा सचिव निर्वाचित

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट्स ऑफ इंडिया की मन्दसौर जिला शाखा के वर्ष 2025-26 के पदाधिकारियों के निर्वाचन सर्वानुमति से सम्पन्न हुए। मन्दसौर सीए ब्रांच के पूर्व अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 जनवरी 2025 को मन्दसौर जिला शाखा के वर्ष 2025 से 2029 तक के प्रबंध समिति के निर्वाचन सम्पन्न हुए थे जिसमें 6 सदस्य निर्वाचित घोषित किये गये थे।

प्रबंध समिति के सदस्यों की 27 फरवरी को मीटिंग आयोजित की गयी जिसमें वर्ष 2025-26 के लिये

पदाधिकारियों का निर्वाचन सर्वानुमति से हुआ। जिसके तहत अध्यक्ष सीए राजेश कुमार मंडवारिया, उपाध्यक्ष सीए विनय अग्रवाल, सचिव सीए नितेश भदादा, कोषाध्यक्ष सीए अर्पित नागर, सीपीई कमेटी चेयरमेन सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य सीए अर्पित मेहता निर्वाचित हुए। उल्लेखनीय है कि प्रबंध समिति का कार्यकाल 4 वर्षों का होगा जिसमें प्रतिवर्ष पदाधिकारियों का निर्वाचन सम्पन्न होगा। नवीन पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि इस वर्ष सीए सदस्यों व विद्यार्थियों के ज्ञान में अभिवृद्धि हेतु वर्ष भर शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने वर्ष में होने वाले समस्त कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता दर्ज करने की अपील की। उक्त जानकारी निवृत्तमान सचिव सीए विकास भंडारी ने दी।

राज्यसभा सांसद गुर्जर रतलाम में आयोजित पश्चिम रेलवे की बैठक में हुए सम्मिलित

ट्रेनों की संख्या में बढ़ोतरी, यात्री सुविधाओं के विस्तार सहित जनहित के अनेक सुझाव रखे

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आज रतलाम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के साथ सांसदगणों एवं समिति सदस्यों की बैठक में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने सम्मिलित होकर नागरिकों के लिए रेलवे सुविधाओं का विस्तार करने हेतु अपने सुझाव रखे।

श्री गुर्जर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में रेलवे की सुविधाओं एवं आदर्श संरचना में बहुत बडा सकारात्मक परिवर्तन आया है। इसके लिए हम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। बैठक में श्री गुर्जर ने सुझाव दिया कि आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की संख्या में बढोतरी, यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं भीड प्रबंधन हेतु उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। सिंहस्थ के लिए अलग से एक बैठक आयोजित की जानी चाहिए। पूरे मण्डल के कई अंडरब्रिजों में जल भराव की समस्या देखने में आती है इस समस्या को समाप्त करने हेतु प्रयास करना चाहिए। रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य के साथ साथ घनी आबादी क्षेत्र में लालघाटी से शिवाना ब्रिज तक नाला निर्माण किया जाए। इस नाले को 2 मीटर चौडा एवं 2 मीटर गहरा बनाना अति आवश्यक है, अन्यथा वर्षा काल में घरों में जल भराव एवं बाढ की स्थिति पैदा हो सकती है। आपने कहा कि सुवासरा रेलवे स्टेशन पर किए जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए। उज्जैन से चित्तौडगढ के बीच चलने वाली डेमो सवारी गाडी के नामली, बडायाला, ढोढर, कचनारा, दलोदा, पिपलिया मंडी एवं मल्हारगढ रेलवे स्टेशन पर स्टॉपेज की सुविधा मिलनी चाहिए। रेलवे द्वारा बाउंड्री बनाने के दौरान या बाउंड्री बन जाने के बाद आवश्यकता अनुसार रास्ता दिया जाना चाहिए। रतलाम चित्तौडगढ सेक्शन के ढोढर से पिपलिया मंडी स्टेशन के बीच करीब 150 से 200 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनके साथ 800 से 1000 परिवार के सदस्य रहते हैं। उनके इलाज के लिए उन्हें रतलाम या नीमच जाने के लिए 100 किलोमीटर दूर जाना पडता है। मंदसौर के किसी निजी चिकित्सालय से अगर अनुबंध कर लिया जाता है तो रेलवे कर्मचारीयों एवं परिवार को उपचार में सुविधा होगी। मंदसौर में संजीत रोड ओवर ब्रिज के नीचे अंडर ब्रिज का निर्माण किया जाना चाहिए।

पश्चिम रेलवे जीएम के साथ बैठक, सांसद गुप्ता ने रखी मांगे

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को पश्चिम रेल्वे जीएम अशोक कुमार मिश्र एवं केंद्रिय मंत्री सावित्री ठाकुर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता ने क्षेत्र में रेलवे से संबंधित कई महत्वपूर्ण चर्चा की। सांसद गुप्ता ने दोहरीकरण, ओवरब्रिज, स्टेशनों के विकास, ट्रेनों के ठहराव और नई ट्रेनों के संचालन को लेकर कई विषय रखे। सांसद गुप्ता ने कहा कि नीमच स्टेशन बघाना रोड ओवरब्रिज,हिंगोरिया फाटक ओवरब्रिज एवं दलौदा ओवरब्रिज का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। इसी के साथ ही संसदीय क्षेत्र में आने वाले कई अण्डरब्रिज में बारिश के समय पानी भरे रहने की समस्या रहती है। उक्त तकनीकी समस्या का स्थायी निदान किया जाए। वही कोटडी ईस्तमुरार हर्कियाखाल के फाटक क्रमांक 128 एवं बडायला चौरासी पुल नं.429-430 के मध्य मे अण्डर ब्रिज निर्माण करवाने हेतु।

सांसद गुप्ता ने स्टेशनों के विकास एवं यात्री सुविधाएं की मांगो को रखते हुए कहा कि भीलवाडा-रतलाम-इंदौर डेमू ट्रेन में लगने वाले एक्सप्रेस के किराए को लोकल का किराए किया जाए। रतलाम उदयपुर एक्सप्रेस 19327-28 का चित्तौडगढ में मेवाड एक्सप्रेस से मिलान सुनिश्चित करने के लिए 15 मिनिट पूर्व चित्तौडगढ पहुंचाया जाए,ताकि दिल्ली जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिल सके।संसदीय क्षेत्र के यात्रीयों को लंबी दूरी की ट्रेनों की कनेक्टिविटी मिले इसके लिए रतलाम चित्तौड डेमू 09500 को शाम को समय से आधे घंटे पूर्व रतलाम पहुंचाया जाए। अमृत भारत स्टेशन योजना के अगले चरण में जावरा,पिपल्यामंडी एवं दलौदा स्टेशन को सम्मिलित किया जाए। अमृत भारत योजना के तहत मंदसौर और नीमच में चल रहे विकास कार्यों के तहत पिक एन ड्रॉप की अलग लेन और आने जाने के अलग-अलग मार्ग बनाए जाए। बैठक में सांसद गुप्ता ने नई ट्रेनों के परिचालन को लेकर भी कई मांगे रखी। सांसद गुप्ता ने कहा कि ग्वालियर भिंड - रतलाम ट्रेन का विस्तार नीमच तक किया जाए।देहरादून-उज्जैन एक्सप्रेस का विस्तार रतलाम होकर नीमच बढाया तक किया जाए।इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस का विस्तार फतेहाबाद रतलाम होकर नीमच तक किया जाए।इंदौर-बिलासपुर एक्सप्रेस का विस्तार फतेहाबाद रतलाम होकर नीमच तक किया जाए।जयपुर-भोपाल तक नवीन वंदे भारत ट्रेन का संचालन किया जाए।इंदौर-दिल्ली सराय रोहिला एक्सप्रेस एवं इंदौर बीकानेर महामना एक्सप्रेस के फेरे बढाये जाए। रतलाम से नीमच ट्रेक का कुछ महीनों में दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने वाला है। इसलिए इंदौर-माता वैष्णोदेवी,इंदौर-हरिद्वार,इंदौर-जयपूर,इंदौर-अहमदाबाद समेत लम्बी दूरी की कुछ नवीन ट्रेनो को फतेहाबाद-रतलाम-मंदसौर-नीमच होकर प्रारंभ करने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा जाए।मंदसौर-नीमच होकर समय-समय पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलने वाली इंदौर भिवानी ट्रेन को नियमित किये जाने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा जाए। पूर्व में बंद हो चुकी इंदौर जयपुर लिंक एक्सप्रेस के स्थान पर व्हाया फतेहाबाद रतलाम-मंदसौर-नीमच-जयपुर के लिए नई ट्रेन चलाई जाए। मंडल को ईएमयू की नई रैक मिली है। उस रैक से सुबह चित्तौड से प्रारम्भ करके व्हाया नीमच मंदसौर रतलाम उज्जैन के लिए नई पैसेंजर ट्रेन चलाई जाए। डेमू के सभी रैक काफी पुराने हो चुके है। साथ ही, विद्युतिकरण का कार्य भी हो चुका है। अत: ईएमयू के नए रैक की डिमांड मुख्यालय भेजकर पुराने रैक को रिप्लेस किया जाए। कोटा मंडल भी रतलाम-नीमच दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद चित्तौडगढ -मंदसौर-नीमच टेक से होकर नई टेनों चलाने पर विचार कर रहा है। उक्त टेनो के संचालन हेतु कोटा मंडल से समन्वय किया जाए।

ट्रेनो के ठहराव को लेकर भी सांसद गुप्ता ने कहा कि ट्रेन नं. 12719-20 जयपुर हैदराबाद एक्सप्रेस का जावरा स्टेशन, 19327-28 उदयपुर सिटी एक्सप्रेस का कचनारा व हर्कियाखाल, 19333-34 बीकानेर महामना एक्सप्रेस का पिपलिया, 12995-96 अजमेर बांद्रा एक्सप्रेस का पिपलियामंडी, 19711-12 जयपुर भोपाल एक्सप्रेस का मल्हारगढ, 19815-16 कोटा मंदसौर इंटरसिटी का मल्हारगढ व जावद, 19315-16 वीरभूमि एक्सप्रेस का दलौदा व मल्हारगढ, 14801-02 इंदौर जोधपुर एक्सप्रेस का हर्कियाखाल, 05833-34 मंदसौर कोटा एक्सप्रेस का बिसलवास कलां स्टेशन पर ठहराव एवं 09331-32 उज्जैन -चित्तौडगढ का पैसेंजर ट्रेन के रूप में संचालन हो रहा है। उक्त ट्रेन का सभी स्टेशनों पर ठहराव दिया जाए।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	14	2195	2400
उडद	25	6667	6801
सोयाबीन	4633	3950	4200
गैहु	3871	2510	3050
चना	310	5000	5500
मसुर	304	5580	6000
धनिया	1068	4600	6657
लहसुन	18000	4000	7400
मैथी	360	3500	5241
मुंगफली	989	3500	5241
अलसी	1193	5580	6100
सरसो	1653	5260	5770
तारामीरा	9	4000	4100
इसबगोल	55	7500	12771
प्याज	996	900	2100
कलोंजी	3	11400	16700
तुलसी बीज	0000	0000	0000
डॉलर	1	8600	8600
तिल्ली	12	6101	9000
जौ	196	2215	2310
मटरसुखी	3	3500	4400
असालीया	190	6841	7051
चियाबीज	64	8000	13300

मप्र नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नई क्रांति की ओर अग्रसर–मुख्यमंत्री

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश में वर्ष 2070 तक कार्बन फुट-प्रिंट को शून्य तक लाने और समाप्त होते जीवाश्म ईंधन के विकल्प तलाशने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट (अक्षय) नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में पिछले 12 वर्षों में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 14 प्रतिशत अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिससे अब कुल ऊर्जा उत्पादन में सहभागिता 30 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा का व्यापक निवेश– जीआईएस-भोपाल में मध्यप्रदेश की टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी के कारण नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जीआईएस-भोपाल के उद्घाटन अवसर पर कहा कि विगत दशक में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में 70 बिलियन डॉलर (5 ट्रिलियन रुपये से अधिक) का निवेश किया गया, जिससे स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 10 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस विकास में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और बताया कि राज्य वर्तमान में लगभग 31,000 मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता रखता है, जिसमें से 30% हरित ऊर्जा है।

रीवा और ओंकारेश्वर: हरित ऊर्जा के नए केंद्र– प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने उद्बोधन मे कहा जीआईएस के शुभारंभ पर मध्यप्रदेश का रीवा सोलर पार्क देश के सबसे बड़े सौर ऊर्जा पार्कों में से एक है। इसके साथ ही हाल ही में ओंकारेश्वर में देश के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर प्लांट का शुभारंभ किया गया है, जिससे अक्षय ऊर्जा उत्पादन को नई दिशा मिली है।

मध्यप्रदेश: ऊर्जा सरप्लस राज्य– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य अपनी भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के कारण देश के अग्रणी ऊर्जा सरप्लस राज्यों में से एक है। राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्म निर्भरता को प्राथमिकता देते हुए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है।

तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने वाली पहली नवकरणीय ऊर्जा नीति– मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी लागू की है। इस नीति में सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निवेशकों को अनुकूल और लचीले अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में नया आयाम जुड रहा है।

सांची बना मध्यप्रदेश का पहला सौर शहर– पर्यावरण संरक्षण और नवकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, सांची को राज्य का पहला सौर शहर के रूप में विकसित कियाजा रहा है। यह 'नेट ज़ीरो कार्बन' सिद्धांत पर आधारित होगा, जिसमें जितनी ऊर्जा का उपभोग होगा, उतनी ही हरित ऊर्जा का उत्पादन भी किया जाएगा। यह परियोजना देश-दुनिया के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी।

नर्मदापुरम में नवकरणीय ऊर्जा उपकरणों के लिए समर्पित निर्माण क्षेत्र– राज्य सरकार नर्मदापुरम जिले में पॉवर और नवकरणीय ऊर्जा उपकरणों के लिए एक समर्पित निर्माण ज़ोन विकसित कर रही है, जिससे राज्य में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा और नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

वर्ष– 2030 तक 20 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य– मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी नीतियों और राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से मध्यप्रदेश हरित ऊर्जा हब के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में राज्य में 5 बड़ी सौर परियोजनाएँ कार्यरत हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 2.75 गीगावाट (2,750 मेगावाट) है। सरकार की योजना वर्ष-2030 तक नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 20 गीगावाट (20,000 मेगावाट) करने की है।

नवकरणीय ऊर्जा में 5.72 लाख करोड़ से अधिक का निवेश एवं 1.4 लाख से अधिक रोजगार के अवसर– मध्यप्रदेश सरकार नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 5,21,279 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर रही है, जिससे 1,46,592 नौकरियाँ सृजित होंगी। जीआईएस-भोपाल में नवकरणीय ऊर्जा सेक्टर में अवाडा एनर्जी, एमकेसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, एक्सिस एनर्जी वेंचर, एनएसएल रिन्यूएबल पॉवर प्राइवेट लिमिटेड, टोरेंट पॉवर और जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने निवेश प्रस्ताव दिए हैं। इस निवेश से राज्य में अक्षय ऊर्जा उत्पादन को गति मिलेगी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मध्यप्रदेश: भारत के 'नेट ज़ीरो कार्बन' लक्ष्य में प्रमुख योगदानकर्ता– राज्य सरकार की यह पहल भारत के नेटज़ीरो कार्बन लक्ष्य वर्ष-2070 को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मध्यप्रदेश तेजी से नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में देश का नेतृत्वकर्ता बन रहा है और आत्मनिर्भर भारत व स्वच्छ ऊर्जा मिशन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

अफीम तस्कर को 4 वर्ष का कठोर कारावास व जुर्माना

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्यायाधीश महोदय, (एन.डी.पी.एस.) मंदसौर द्वारा पवन पिता कारूलाल सेन उम्र 20 वर्ष निवासी धाकड पिपल्या थाना नाहरगढ जिला-मन्दसौर (म.प्र.) को अफीम तस्कएरी करने के अपराध में दोषी पाते हुए 04 वर्ष के कोठर कारावास एवं 20,000 रूपये जुर्माने से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा घटना के संबंध में बताया कि दिनांक 11.08.2017 को थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर प्रकोष्ठ मंदसौर के उप निरीक्षक भारतसिंह चावडा को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि पवन सेन अपने हाथ में फिरोजी रंग की सफेद बिंदी वाली प्लास्टिक की थैली में अफीम लेकर डिगांवखुर्द फंटा डिगांव नाहरगढ रोड पर खडा है, पवन ने आसमानी रंग की स्टार छपी हुई शर्ट व नीले रंग की जींस पहन रखी है यदि तत्काल घेराबंदी की जाये तो उसे पकडने में सफलता मिल सकती है। उक्त सूचना विश्वनीय होने से उप निरीक्षक भारतसिंह चावडा द्वारा मय फोर्स, अनुसंधान सामग्री सहित मुखबिर के बताये स्थान डिगांवखुर्द फंटा डिगांव नाहरगढ रोड मंदसौर के पास पहुंचे जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति खडा दिखा था जिसे फौर्स की मदद से घेराबंदी कर पकडा था नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम पवन सेन बताया। तत्पश्चात भारतसिंह चावडा द्वारा आरोपी पवन की तलाशी ली गई थी तो आरोपी के शरीर पर पहने हुये कपडों के अलावा एक निर्वाचन कार्ड तथा 280 रूपये नगद मिले थे। आरोपी द्वारा हाथ में पकडी हुई फिरोजी रंग की सफेद बिंदी वाली थैली की तलाशी लेने पर उसके अंदर एक नीले रंग की थैली मिली थी जिसे खोलकर देखने पर काला गाढा पदार्थ दिखा था इसके पश्चात आरोपी के कब्जे की थैली में रखे पदार्थ को सूंघकर, देखने पर व अनुभव के आधार पर मादक पदार्थ अफीम होना पाया गया था आरोपी पवन के आधिपत्य से प्राप्त अफीम की थैली का इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे पर वजन करने पर उसका वजन एक किलो पॉच सौ ग्राम होना पाया गया था मौके पर ही गिरफ्तार कर गिरफतारी पंचनामा बनाया गया, आरोपी से पूछताछ के दौरान जप्तशुदा अफीम रामेश्वर से प्राप्त करना बताया था जिस पर रामेश्वर को भी प्रकरण में आरोपी बनाया गया था। संपूर्ण कार्यवाही उपरांत उप निरीक्षक भारत चावडा द्वारा मौके पर ही अपराध क्रमांक 0/17 पर प्रदर्श पी-26 की देहाती नालसी लेखबद्ध कि गई थी तथा कार्यवाही उपरांत थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर पर वापसी की गई थी तथा दिनांक 12.08.2017 को 02:15 बजे आरक्षी केंद्र नारकोटिक्स सेल इंदौर में अपराध क्रमांक 15/2017 पर आरोपीगण के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध की गई थी एवं प्रकरण विवेचना में लिया गया था तथा औपचारिकतायें पूर्ण करने के पश्चात आरोपी रामेश्वर के विरूद्ध दण्ड प्रक्रिया की धारा-173 (8) के अंतर्गत आरोपी पवन सेन के विरूद्ध अभियोग पत्र दिनांक 09.10.2017 को विशेष न्यायालय एन.डी.पी.एस एक्ट मंदसौर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा रखे गये तथ्यों एवं तर्कों से सहमत होकर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का सफल संचालन विशेष लोक अभियोजक श्री दीपक जमरा द्वारा किया गया।

वृहद युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन 03 को इंदौर में

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला रोजगार अधिकारी द्वारा बताया गया कि तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार वृहद युवा संगम कार्यक्रम (जॉब फेयर) का आयोजन 3 मार्च 2025 को ग्रामीण हॉट बाजार, गीता भवन रोड़, इन्दौर में प्रात: 10 बजे से 4 बजे तक किया जा रहा है। उक्त आयोजन संभागीय वृहद स्तर पर किया जा रहा है जिसमें प्रदेश एवं अन्य राज्य से कई नियोजक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कार्यक्रम में एकत्रित होगें। रोजगार की तलाश हेतु जिले के बैरोजगार इच्छुक आवेदक नियत तिथि एवं स्थान पर पहुंच कर सहभागिता कर सकते है, आवेदक को अपने साथ अपना रिज्यूम, समग्र आई.डी., पासपोर्ट साईज फोटो एवं 10 वीं, 12वीं, स्नातक, अन्य डिप्लोमा / डिग्री तथा सभी आवश्यक दस्तावेज की प्रति के साथ उपस्थित होना है। कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी हेतु जिला रोजगार कार्यालय एवं कार्यालयीन दूरभाष नं. 0731-2422071 पर संपर्क कर सकते है।

नपाध्यक्ष व स्वास्थ्य समिति ने प्रभारी सफाई दरोगाओं की बैठक ली, दिये दिशा निर्देश

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों के मद्देनजर कल शुक्रवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर एवं स्वास्थ्य समिति सभापति श्रीमती दीपमाला मकवाना ने नगरपालिका के प्रभारी सफाई दरोगाओं की बैठक ली। नपा कार्यालय में आयोजित इस बैठक में सभी वार्डो के सफाई दरोगा शामिल हुए। बैठक में प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी हेमचन्द शर्मा, गैरेज सहायक जाकिर भाई भी उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने इस बैठक में कहा कि सभी सफाई दरोगा स्वच्छता का कार्य एक मिशन के रूप में समर्पित भाव से करे। स्वच्छता सर्वेक्षण के पूर्व अपने वार्ड में सफाई व्यवस्था चाक चौबंद कर ले। सफाई कार्य में कोई कर्मचारी लापरवाही नहीं बरते। यह सुनिश्चित करना दरोगा का कार्य है। इस कार्य में सफाई दरोगा जूट जाये। सफाई दरोगा अपने वार्ड में भ्रमण करे तथा नागरिकों से स्वच्छता बनाये रखने की अपील करे। यदि बार-बार कहने के बावजूद भी कोई व्यक्ति गंदगी करता है तो उसे नोटिस दे तथा जुर्माने की कार्यवाही करना पड़े तो वह भी करे। कर्मचारी दोपहर की पाली में भी काम करे। यह सफाई रोगा सुनिश्चित करे, सफाई दरोगा वार्ड पार्षद व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद रखे तथा जो भी जरूरी काम स्वच्छता के है उन्हें प्राथमिकता से करे। स्वास्थ्य समिति सभापति श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना ने कहा कि डिवाईडर के दोनो और व सड़क के किनारे की सफाई पर विशेष ध्यान दे। मच्छरों को नियंत्रित करने के लिये जो दवाई दी जाती है उसका पूरे वार्ड में छिड़काव करे। आवश्यक होने पर फाग मशीन को भी बुलाये। सफाई कर्मचारियों को जो सफाई उपकरण व ड्रेस इत्यादि मिले है उनका पूरा उपयोग करे। नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दे। कर्मचारी यदि छुट्टी पर है तो उसकी गैर हाजरी नोट करे तथा बिना आवेदन कोई छुट्टी पर नहीं रहे यह भी सुनिश्चित करे। कचरा वाहन में कौन सा परिवार कचरा नहीं डालते हुए आसपास में फैंकता है यह देख तथा उसे कचरा फेंकने से रोके। बैठक में आये सभी दरोगाओं ने आगामी समय में स्वच्छता कार्य में मुस्तैदी से जुटने की बात कही।

स्टडी क्लब द्वारा शोध गतिविधियों हेतु नवाचार

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालयब मंदसौर में नवगठित स्टडी क्लब के द्वारा महाविद्यालय में विशेष व्याख्यान श्रृंखला प्रारंभ की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ- जे-एस-दुबे ने बताया कि महाविद्यालय में शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं शैक्षणिक स्टॉफ को शोध हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से इस व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है।

प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के बाद प्राचार्य डॉ. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज इस बात की आवश्यकता है कि हम भारत की प्राचीन परंपराओं में छुपे विज्ञान पर शोध करें। आपने कहा कि प्रत्येक विषय में भारत के पास एक समृद्धशाली ज्ञान परंपरा रही है जिसे जानने समझने का हमें प्रयास करना चाहिए। आपने बताया कि इस व्याख्यान श्रृंखला में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण अपने शोध पत्र एवं देश विदेश में अन्य संस्थाओं में सेमिनार संगोष्ठी इत्यादि में सहभागिता करने के बाद आकर अपनी प्रस्तुति का सारांश महाविद्यालय स्टाफ के समक्ष विचार विमर्श हेतु रखेंगे। प्राचार्य ने समस्त विभागाध्यक्षों के माध्यम से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को भी इस कार्यक्रम से लाभान्वित होने का आग्रह किया है। व्याख्यानमाला के प्रथम दिन गणित विभाग के डॉ- यशवंत पंवार ने फेबोनेसी सीरीज पर अपना शोध पत्र पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। डॉ- पंवार ने गणित के सिद्धांतों को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़कर प्रस्तुत किया। इसके पश्चात गृह विज्ञान की सहायक प्राध्यापक डॉ- रीतिबाला भोर ने यूजीसी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा में कैपेसिटी बिल्डिंग विषय पर दी गई ट्रेनिंग का सार प्रस्तुत किया। सत्र के अंत में प्रश्नोत्तर सेशन का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो- खुशबू मंडावरा ने किया एवं आभार प्रदर्शन हिंदी विभाग की डॉ- ललिता लोधा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ- उषा अग्रवालब डॉ. टीके झालाब डॉ. एसपी पंवार सहित महाविद्यालयीन प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों के लिये 07 से आयोजित होगी सुगम्य यात्रा

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दिव्यांगजनों को सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, मॉल और सिनेमाघरों में उनकी सुविधानुसार किस तरह का सुगम्य वातावरण होना चाहिए। प्रदेश के प्रत्येक जिले में 7 और 8 मार्च 2025 को जिला कलेक्टर्स के सहयोग से दिव्यांगजन की 'सुगम्य यात्रा' का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक जिले में चुनिंदा दिव्यांगजन को शासन व्यवस्था के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं आयुक्त नि:शक्तजन श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को सुगम्य वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में 'सुगम्य यात्रा' निकाली जाएगी। इसमें दिव्यांगजन को सरकारी भवनों, कलेक्ट्रेट, तहसील, नगर पालिका, नगर निगम सहित अन्य शासकीय कार्यालयों, सिनेमा घरों, आम पर्यटन स्थलों, पुस्तकालयों, बाजारों सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर दिव्यांगजन उपलब्ध साधन सुविधाओं की जमीन हकीकत को देखेंगे। स्थानों के भ्रमण के बाद दिव्यांगजनों द्वारा दी गई सलाह, सूचनाओं का संकलन किया जायेगा, जिनका उपयोग भारत सरकार द्वारा भविष्य में बनाई जाने वाली शहरी विकास नीतियों, डिजाइनिंग एवं विकासात्मक रणनीतियों में शामिल किया जायेगा, जो भविष्य में इस वर्ग के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण में सहायक होगी। यात्रा के फोटो 'यस टू एक्सेस' ऐप पर अपलोड कर सकेंगे। यात्राओं पर होने वाले व्यय सीआरएस फंड या एजीपी सब स्कीम से करने के अधिकार कलेक्टर्स को दिये गये हैं।

श्री जागेश्वर महादेव मंदिर में भजन संध्या सम्पन्न

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अति प्राचीन नीम चौक स्थित चमत्कारी शिवालय जागेश्वर महादेव मंदिर में भजन संध्या का भव्य आयोजन हुआ जिसमें संगीत साधकों ने रात्रि पर्यन्त शास्त्रीय एवं सुगम संगीत की मधुर धुनों से सुधी श्रोताओं का मन मोह लिया।

संगीत समा में भाग लेने वाले कलाकार कमलेन्दु गंधर्व, ललित बटवाल, पटवारी प्रमोदसिंह, बंशीलाल टांक, दिलीप चौहान, आयुष सोनी, राजेन्द्र व्यास, जय सोनी, संजय सोनी (रतलाम ज्वेलर्स), घनश्याम सोनी, विक्रम सोनी गायन के साथ ही संजय सोनी ने मुंह से बजाये जाने वाले माउथ आर्गन पर 2 फिल्मी धुन बजाई। संगीत में गायन के साथ ही हारमोनियम पर शासकीय संगीत महाविद्यालय के पूर्व संगीत शिक्षक कमलेन्दुर गंधर्व, वायलिन पर राजमल गंधर्व और तबले पर भेरूलाल गंधर्व ने संगत करी। संगीत सभा का संचालन बंशीलाल टांक ने किया च आभार सुभाष रिछावरा ने माना। संगीत सभा पूर्व महाआरती में मुख्य अतिथि सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, नपाध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा पार्षद रफत पयामी, डॉ. रविन्द्र पाण्डेय, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल राठौर, जिला प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, अनिल कियावत, हिम्मत डांगी, सुभाष रिछावरा, प्रकाश सोनी, कैलाश सौलंकी, पूजारी भगवत गिर आदि बड़ी संख्या में धर्मालुजन उपस्थित थे।

पीआईसी बैठक में 498 प्रकरण को मिली मंजूरी

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में कल शुक्रवार को नगर पालिका की प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक आयोजित हुई इस बैठक में मकान भूखंड नामांतरण के कुल 480 प्रकरण सहित 498 प्रकरणों पर चर्चा की गई और व्यापक विचार विमर्श के पश्चात सभी प्रकरणों को मंजूरी दी गई बैठक में नगरपालिका के प्रभारी सीएमओ पी.एस. धार्वे सहित नगरपालिका के सभापतिगण सर्व श्री सत्यनारायण भांभी, निलेश जैन, निर्मला चंदवानी, दीपमाला मकवाना, कौशल्या बंधवार भी उपस्थित थे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक 05 को

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर (विकास) श्री अनुकूल जैन द्वारा बताया गया कि 5 मार्च को सांसद श्री सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित होगी। बैठक कलेक्टोरेट सभागृह में प्रात: 11 बजे आयोजित होगी।

कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सम्पन्न

मंदसौर, 28 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. सुधीर रायज़ादा ने बताया कि शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया जिसकी थीम विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' रही जिसमें विज्ञान संकाय की समस्त छात्राओं द्वारा चार्ट, मॉडल एवं तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में सहभागिता की तथा विज्ञान मॉडल में प्रथम स्थान पूजा पाटीदार बीएससी तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान ज्योति राठौर, चंचल हाडा और आयुषी चौहान एवं तृतीय स्थान रंजना पाटीदार एवं साक्षी परिहार ने प्राप्त किया। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चंचल हाडा बीएससी द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान विजयलक्ष्मी वर्मा बीएससी तृतीय वर्ष एवं तृतीय स्थान हिना बीएससी प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का आयोजन सुश्री नौरीन कुरैशी सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र एवं श्री कांतिलाल कुमावत सहायक प्राध्यापक भौतिकी द्वारा किया गया जिसमें डॉ. अखलाक मंसूरी डॉ. सपना डे तथा डॉ. कविता बुंदेला ने सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम में 120 छात्राओं ने सहभागिता की।

✼ उठावना ✼

मेरे बड़े भाई, अजय, विजय, संजय के पूज्य पिताजी, अनिल, सुनील, महेश के ताऊजी, चिराग, योगेश, आयुष, किशन, नकुल, उज्वल, ऋषि, रुद्राक्ष के दादाजी, अंश के पड दादाजी, श्री रामप्रसाद जी पालीवाल का दिनांक 28.फरवरी 25 को देवलोकगमन हो गया है। उठावना दिनांक 01 मार्च.25 शनिवार को सुबह 11 बजे पंच कचेलिया तेली समाज धर्मशाला, खाकी कुआ, पालीवाल धर्मशाला के पीछे रखा गया है।

✼✼✼ शोकाकुल ✼✼✼
शांतिलाल पालीवाल
प्रतिष्ठान– पालीवाल फाफड़ा हाउस मन्दसौर

✼संयुक्त उठावना✼

स्वर्गीय रतनलाल जी पालीवाल (सराय वाले) के दामाद, हमारे बहनोई साहब, मनीष, राकेश, लोकेश, नीतीश के फूफाजी श्री रामप्रसाद जी पालीवाल (पालीवाल फाफड़ा हाउस वाले) का देवलोकगमन दिनांक 28.फरवरी.25 को हो गया है। जिनका संयुक्त उठावना दिनांक 01 मार्च 25 को सुबह 11 बजे पंच कचेलिया तेली समाज की धर्मशाला, खाकी कुआ पालीवाल धर्मशाला के पीछे, धानमंडी पर रखा गया है।

✼✼✼ शोकाकुल ✼✼✼
स्वर्गीय रमेशचंद्र जी, बाबूलाल, राजेन्द्र पालीवाल मन्दसौर

नाम परिवर्तन संबंधी जाहिर सूचना

मैं अक्ष जैन पिता दीपक जैन (Aksh Jain) सरपरस्त दीपक जैन पिता अशोक जैन निवासी भालोट तहसील मंदसौर, जिला मंदसौर सर्वसाधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित करता हूं कि पूर्व में मेरे पुत्र का नाम दस्तावेज में समग्र आईडी, शैक्षणिक संस्था में अक्ष जैन दर्ज जो सही है किन्तु मेरे पुत्र के आधार कार्ड में दिव्याश जैन नाम अंकित है जिसके स्थान पर परिवर्तित करके अक्ष जैन (Aksh Jain) घोषित किया है। आज दिनांक से भविष्य में मेरे पुत्र को अक्ष जैन (Aksh Jain) के नाम से जाना पहचाना एवं पुकारा जावे एवं आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज में परिवर्तन किया जाना है। सो साधारण को सूचित किया जाता है।

पुराना नाम व हस्ताक्षर	नया नाम व हस्ताक्षर
दिव्याश जैन सरपरस्त दीपक जैन	अक्ष जैन सरपरस्त दीपक जैन

सेल्समेन की आवश्यकता

✼ अनुभवी पुरुष/महिला सेल्समेन की आवश्यकता है। ✼ अनुभवी मोबाईल रिपेरिंग वाले की आवश्यकता है।
✼ वेतन 5 अंको में ✼ योग्यता को प्राथमिकता
✼✼✼✼✼✼✼ संपर्क ✼✼✼✼✼✼✼

प्रदीप मोबाईल
दया मंदिर रोड़ मंदसौर
मोबाईल– 9893100778, 8319811988

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली से मार्गदर्शित एवं सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा से संबद्ध तथा राष्ट्रीय आदर्श शिक्षण समिति, पिपलियामंडी द्वारा संचालित

सरस्वती शिशु मंदिर उ. मा. वि. पिपलियामंडी

आवश्यकता

सरस्वती शिशु मंदिर में कार्य करने हेतु योग्य एवं सेवाभावी आचार्यो से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है ....

क्र.	विभाग	विषय	पद संख्या	योग्यता / प्रशिक्षण
1	शिशु वाटिका	अंग्रेजी, गणित	2	स्नातक/बीएड डीएड
2	प्राथमिक	अंग्रेजी, गणित	2	स्नातक/बीएड डीएड
3	माध्यमिक	अंग्रेजी, गणित, विज्ञान	3	सम्बन्धित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर बीएड
4	हाईस्कूल	अंग्रेजी	1	सम्बन्धित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर बीएड
5	हायर सेकेंडरी	अंग्रेजी / बहीखाता / रसायन / जीवविज्ञान	4	सम्बन्धित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर बीएड
6	कंप्यूटर आपरेटर	कंप्यूटर	1	बी. काम., PGDCA, हिंदी टाईपिंग का ज्ञान
7	संगीत एवं खेल शिक्षक	सम्बन्धित विषय	1	खेल एवं संगीत का पूर्ण ज्ञान

1- आवेदन कार्यालय समय प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक 100 रूपये जमा कर प्राप्त करे आवेदन के साथ समस्त दस्तावेजो की कॉपी लगा कर जमा करे !
2- वेतन 7000 से 12000 तक पद एवं योग्यता अनुसार !
3- चयन लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर होगा चयन के पश्चात संस्था के नियमो का पालन करना होगा !
4- आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 मार्च 2025 है !
5- लिखित परीक्षा 23 मार्च 2025 रविवार समय प्रातः 10 बजे !

प्राचार्य - 9753979721
प्रधानाचार्य - 7828049559

व्यवस्थापक
सरस्वती विद्या मंदिर पिपलियामंडी

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 313880, मो. 9425105927, 28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in